मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 61
बुधवार, 09 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

दुनिया में अनिश्चितता के बीच भारत पर बढ़ा भरोसाः पीएम मोदी

मुंबई, 08 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने भारत के डिजिटल पेमेंट सिस्टम और फिनटेक सेक्टर की बढ़ती पहुंच का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि 11 देशों तक इसका विस्तार हो चुका है।

पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें इस आयोजन में लगातार तीसरी बार शामिल होने की खुशी है। उन्होंने इसे एक और ह्यहैट्रिकह्न बताते हुए कहा कि 2024 में तीसरी बार सरकार बनने की हैट्रिक के बाद यह उनके लिए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में लगातार तीसरी बार आने की हैट्रिक है। उनके मुताबिक, यह इस बात को दिखाता है कि विकसित भारत के निर्माण में फिनटेक और इससे जुड़े लोगों की भूमिका कितनी अहम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर बार फेस्ट में आने पर उन्हें पहले की तुलना में ज्यादा युवा, ज्यादा ऊर्जा और संभावनाओं का बड़ा दायरा नजर आता है। उन्होंने कहा कि युवाओं में जोखिम लेने की क्षमता बढ़ रही है और उनके सपने भी बड़े हो रहे हैं। इससे विकसित भारत के भविष्य को लेकर उनका भरोसा और मजबूत होता है।

पीएम मोदी ने कहा कि जिन्होंने मुझे 10 साल में देखा है, वे जानते हैं मोदी एक पड़ाव पर पहुंचकर, जश्न मनाकर संतुष्ट होने वाला नहीं है। जब एक लक्ष्य प्राप्त होता है तो मैं दूसरे लक्ष्यों की तैयारी में जुट जाता हूं। अब दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। सिंगापुर के साथ हम यह कर चुके हैं, इससे सिंगापुर और भारत के बीच पेमेंट ऐसे हो पा रहे हैं, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में होता है। जहां भी भारतीय बड़ी संख्या में रहते हैं और जहां भारत बड़े पैमाने पर व्यापार करता है और जो देश हमारे साथ चलने के लिए तैयार है, हमें उन सब को जोड़ने पर काम करना होगा। यह इसलिए भी जरूरी है क्योंकि विदेश में बड़ी संख्या में भारतीय काम करते हैं। दुनिया में भारतीय ही बड़ी संख्या में भारत पैसा भेजते हैं। उसका एक बड़ा हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई इसमें भी भारतीयों को लाभ दिला सकता है और पैसा तुरंत उनके परिवारों के पास पहुंच सकता है।

पीएम मोदी ने कहा कि यूपीआई की सफलता के बाद अब अगला लक्ष्य दूसरे देशों के पेमेंट सिस्टम के साथ जुड़ने का होना चाहिए। उन्होंने भारत और सिंगापुर के बीच हुए पेमेंट सिस्टम इंटीग्रेशन का उदाहरण देते हुए कहा कि अब दोनों देशों के बीच भुगतान करना लगभग उसी तरह आसान हो गया है, जैसे एक शहर से दूसरे शहर में भुगतान किया जाता है। उन्होंने कहा कि जिन देशों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं, जहां भारत का बड़े स्तर पर कारोबार है और जो भारत के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं, उनके साथ पेमेंट सिस्टम को जोड़ने पर काम किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने विदेशों में काम करने वाले भारतीयों के लिए भी इसे महत्वपूर्ण बताया।

उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में काम करने वाले भारतीय अपने परिवारों को पैसा भेजते हैं, लेकिन रकम का एक हिस्सा ट्रांजैक्शन कॉस्ट में चला जाता है। यूपीआई के विस्तार से इस लागत को कम करने और पैसे को तेजी से परिवारों तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

पीएम मोदी ने कहा कि इस समय दुनिया टकराव और अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है। ऊर्जा और कमोडिटी की सप्लाई चेन पर दबाव बना हुआ है। पिछले कई महीनों से यह स्थिति बनी हुई है और अप्रैल से जून की तिमाही विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही। उन्होंने कहा कि ऐसे माहौल में जब भारत 7.8 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा है, तो इससे दुनिया का भरोसा भारत पर और मजबूत होता है।

सत्य निकेतन इमारत हादसे पर सुप्रीम कोर्ट 10 सितंबर को करेगा सुनवाई

नयी दिल्ली, 08 सितम्बर। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली में सत्य निकेतन हादसे से जुड़े मुद्दों पर 10 सितंबर को विचार करेगा और जरूरत पड़ने पर दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा पहले से ही देखे जा रहे मामले को अपने पास स्थानांतरित कर सकता है। पूरे देश में रिहायशी इलाकों में बिना मंजूरी के निर्माण, अग्नि सुरक्षा और नियमों का उल्लंघन कर आवासीय जगहों को वाणिज्यिक स्थानों में बदलने जैसे मामलों पर पहले से ही सुनवाई कर रही शीर्ष अदालत से रविवार की घटना पर तुरंत सुनवाई करने की अपील की गई, जिसमें सात छात्रों की मौत हो गई। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय जिन मुद्दों पर विचार कर रहा है, वे गंभीर हैं और पूरे देश के स्तर पर शीर्ष अदालत द्वारा पहले ही

देखे जा रहे मामलों से मिलते-जुलते हैं। उच्च न्यायालय जिन मुद्दों पर विचार कर रहा है, वे उस मुद्दे से मेल खाते हैं, जिस पर यह न्यायालय पूरे देश के स्तर पर विचार कर रहा है। दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा, हमारी संवेदनाएं बच्चों तथा उनके माता-पिता के साथ हैं। उन्होंने शीर्ष अदालत का ध्यान इस बात की ओर दिलाया कि दिल्ली उच्च न्यायालय पहले से ही इस मामले पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है। उन्होंने इस संबंध में सोमवार को पारित आदेश को रिकॉर्ड पर रखा। उच्चतम न्यायालय द्वारा इस मामले में नियुक्त अदालत मित्र एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अजीत सिन्हा ने शुरू में कहा कि हाल की दुखद घटना को देखते हुए, उन्होंने आईआईटी के एक प्रोफेसर और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया है।

उन्होंने इस संबंध में वस्तुस्थिति रिपोर्ट दाखिल की। उन्होंने न्यायालय से आग्रह किया कि वह इस मामले पर तत्काल सुनवाई करे, ताकि जरूरी निर्देश जारी किए जा सकें। उच्चतम न्यायालय पहले ही अधिकारियों को कई निर्देश जारी कर चुका है।

राजस्थान में गरमाई सियासत, बीजेपी ने 41 बागी नेताओं को दिखाया बाहर का रास्ता

जयपुर, 08 सितम्बर। राजस्थान में नगर निकाय चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है। राज्य के 309 शहरी स्थानीय निकायों के लिए वोटिंग 9 और 11 सितंबर को दो चरणों में होनी है। इस चुनावी मुकाबले के बीच, बीजेपी ने उन नेताओं और कार्यकताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है जिन्होंने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ा या निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए प्रचार किया। राज्य भर के 41 नेताओं और कार्यकताओं को - जिनमें जयपुर के 26 लोग शामिल हैं - पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से छह साल के लिए निकाल दिया गया है।

पार्टी ने साफ कर दिया है कि आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ काम करना संगठन-विरोधी गतिविधि और घोर अनुशासनहीनता है। पहले चरण में 39 जिलों के 168 नगर निकायों के 5,393 वार्डों के लिए वोटिंग बुधवार को सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगी। सोमवार शाम को रैलियां, जनसभाएं, रोड शो और जुलूस खत्म हो गए और अब उम्मीदवार घर-घर जाकर प्रचार करने पर ध्यान दे रहे हैं।

राज्य भर में कुल 10,245 वार्डों के लिए चुनाव हो रहे हैं। पहले चरण में 168 नगर निकाय शामिल हैं, जिनमें चार नगर निगम - पाली, भरतपुर, भीलवाड़ा और अलवर - भी हैं। जयपुर नगर निगम समेत 10 नगर निगमों में से छह में 11 सितंबर को वोटिंग होनी है। दोनों चरणों के वोटों की गिनती 14 सितंबर को होगी। पहले चरण में, 20,623 उम्मीदवारों की किस्मत तय करने के लिए 7,683 मतदान केंद्रों पर 5,752,278 मतदाता वोट डालेंगे।

दलीप ट्रॉफी फाइनलः साउथ जोन पर मंडराया खतरा, ईस्ट जोन पहली पारी में बड़ी बढ़त के करीब; शमी और मुकेश का दिखा दम

चेन्नई, 08 सितम्बर। साउथ जोन और ईस्ट जोन के बीच दलीप ट्रॉफी फाइनल के तीसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। ईस्ट जोन के 708 रन के जवाब में साउथ जोन ने पहली पारी में छह विकेट पर 242 रन बनाए हैं और वह अभी 466 रन पीछे है। साउथ जोन की स्थिति मैच में अच्छी नहीं है और उस पर खतरा मंडरा रहा है। लेकिन साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा क्रीज पर टिके हुए हैं।

तिलक वर्मा ने अर्धशतक जड़कर टीम को संभाले रखा है। स्टंप्स के समय तिलक 56 रन और चामा मिलिंद दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। ईस्ट जोन की ओर से मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार को अब तक दो-दो विकेट मिला है, जबकि मोहम्मद कौनेन कुरैशी और शिखर मोहन को एक-एक सफलता मिली है।

एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रनों का विशाल स्कोर बनाया। तीसरे दिन साउथ जोन की पहली पारी शुरू हुई। इस टीम ने 10 के स्कोर पर रिकी भुई (1) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने नारायण जगदीशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 70 के स्कोर तक पहुंचा दिया।

जगदीशन छह चौकों के साथ 32 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद पड्डिकल ने शेख रशीद के साथ तीसरे विकेट के लिए 56 रन जुटाए। रशीद 27 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पड्डिकल ने 4 चौकों के साथ

62 रन की पारी खेली। टीम ने 129 के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान तिलक वर्मा ने मोर्चा संभालते हुए स्मरण रविचंद्रन (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन और श्रेयस गोपाल (26) के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। तिलक ने इस प्रतियोगिता में लगातार तीसरा 50 से अधिक का स्कोर बनाया। उन्होंने बेहद संयमित पारी खेलते हुए 143 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया।

शमी ने दिन में तीन छोटे स्पेल किए। उन्होंने पहले तीन ओवर में दो मेडन डालते हुए सिर्फ एक रन दिया। दूसरे स्पेल में चार ओवर में एक मेडन के साथ 10 रन देकर एक विकेट और तीसरे स्पेल में चार ओवर में एक मेडन के साथ छह रन देकर एक विकेट हासिल किया। इस तरह उन्होंने कुल 11 ओवर में चार मेडन के साथ 17 रन देकर दो विकेट लिए। चेन्नई की उमस भरी परिस्थितियों को देखते हुए संभवतः शमी ने छोटे स्पेल में गेंदबाजी करना पसंद किया। शमी के आंकड़े शायद बहुत प्रभावशाली नहीं दिखते, लेकिन उन्होंने गेंद पर नियंत्रण और जरूरत के समय अपनी गति तथा धार बढ़ाने की क्षमता का भरपूर प्रमाण दिया। जिस सपाट पिच पर दक्षिण क्षेत्र के गेंदबाज शुरूआती दो दिन ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके थे, वहां शमी ने अपने अनुभव और कौशल का शानदार मिश्रण पेश किया।

जीटीए में भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई होगी, दोषियों से वसूला जाएगा धनः शुभेंदु अधिकारी

सिलीगुड़ी/कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) से भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का संकल्प लिया। उन्होंने साथ ही नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ के बाद हिमालय के पर्यावरण की नाजुक पारिस्थितिकी की चिंताओं के बीच राज्य के पहाड़ी इलाकों में सर्वांगीण और सतत विकास का वादा किया। शुभेंदु खराब मौसम के कारण पहाड़ी शहर कलिम्पोंग नहीं पहुंच पाए। लेकिन सिलीगुड़ी से ही एक प्रशासनिक बैठक को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि पहाड़ी इलाकों में विकास की गति बढ़ाने के लिए जीटीए का बजट दोगुना कर दिया गया है। उन्होंने साथ ही भ्रष्ट अधिकारियों को सख्त

कार्रवाई की चेतावनी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीटीए की शिक्षक भर्ती प्रक्रिया, अमृत पेयजल परियोजना और अतीत में 11 विकास बोर्ड के लिए जारी धन में कथित गबन की गहन जांच की जाएगी।

उन्होंने सेवानिवृत्त न्यायाधीश बिस्वजीत बसु की अध्यक्षता में गठित जांच समिति का संदर्भ देते हुए कहा, जिन लोगों ने सरकारी धन की लूट की है, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और पैसे की वसूली की जाएगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

दिल्ली-यूपी, बिहार समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट, लौट रहा है नया मानसूनी सिस्टम

नई दिल्ली, 08 सितम्बर। देश के कई हिस्सों में इस समय मानसून अपने चरम पर है। खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में जमकर बदरा बरस रहे हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में देश के पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और मिजोरम में भारी बारिश दर्ज की गई है। उत्तर प्रदेश में कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण अगले चार दिनों तक आसपास के राज्यों में मध्यम से भारी बारिश के साथ बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है।

पिछले 24 घंटों के दौरान कई राज्यों में जोरदार बारिश हुई है। अंडमान और निकोबार के लॉन्ग आईलैंड और असम के आम्रघ में

सबसे ज्यादा 12 सेमी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के हल्दिया में 10 सेमी, यूपी के मुहम्मदी और मिजोरम के कोलासिब में 9 सेमी, ओडिशा के नवरंगपुर में 8 सेमी तथा पश्चिमी मध्य प्रदेश के निवाली में 7 सेमी पानी बरसा है। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती प्रणालियों और ट्रफ लाइनों के साथ-साथ अब बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र यानी लो प्रेशर एरिया बन रहा है। 11 सितंबर के आसपास उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा तटों के पास बनने वाले इस सिस्टम की वजह से देश में बारिश का एक और नया दौर शुरू होगा। इसके साथ ही 11 से 14 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में, जबकि 13 और 14 सितंबर को मध्य प्रदेश में भारी बारिश और गर्जना की संभावना है।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37

* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

-ललित गर्ग

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है।

लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी। ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा।

पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निमार्ता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निमार्ता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि विज्ञापन और खरीदारी के बीच की पुरानी दूरी तेजी से मिटेगी। विश्वास, अनुभव और सामाजिक प्रभाव वस्तु की कीमत जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसलिए 2030 का ई-बाजार आज के ई-बाजार से बिल्कुल अलग होगा। वह केवल इंटरनेट पर बनी दुकान नहीं होगा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थानीय भाषाओं, डिजिटल भुगतान, त्वरित वितरण, सामाजिक प्रभाव और व्यक्तिगत सुझावों से निर्मित एक विशाल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा। अनुमान है कि दशक के अंत तक ई-बाजार भारत के कुल खुदरा खर्च का 10 से 12 प्रतिशत और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 2.5 प्रतिशत योगदान कर सकता है तथा 42 से 44 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों तक पहुंच सकता है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाजार का आकार जितना बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी। ई-बाजार की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह कितनी तेजी से बढ़ता है, बल्कि यह है कि वह कितने लोगों को साथ लेकर बढ़ता है। यदि तकनीक सुविधा दे, छोटे व्यापारी अवसर पाएं, उपभोक्ता सुरक्षित रहे, कामगार को सम्मानजनक रोजगार मिले, पर्यावरण पर बोझ घटे और कंपनियां टिकाऊ मुनाफे के साथ आगे बढ़ें, तभी यह विस्तार वास्तविक आर्थिक प्रगति कहलाएगा। भारत के ई-बाजार के सामने इसलिए एक बड़ा अवसर और एक बड़ी चेतावनी दोनों हैं। 345 अरब डॉलर का लक्ष्य आकर्षक है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उस बाजार की गुणवत्ता। हमें ऐसा ई-बाजार चाहिए जो केवल खरीदारी को तेज न बनाए, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी, अधिक विश्वसनीय, अधिक मानवीय और अधिक टिकाऊ बनाए। आने वाले वर्षों में जीत उसी की होगी जो ग्राहक को केवल वस्तु नहीं, विश्वास, सुविधा और मूल्य-तीनों एक साथ दे सके। यही ई-बाजार की अगली और सबसे महत्वपूर्ण क्रांति होगी।

लोकप्रियता का नया डिजिटल कीर्तिमान और बदलते भारत का आर्थिक महाशक्ति मॉडल

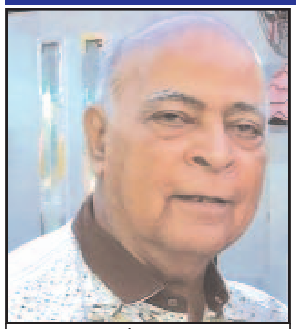

अशोक भाटिया

समकालीन भारतीय राजनीति में जनभावनाओं के उभार, चुनावी रणनीतियों और किसी राजनेता की लोकप्रियता को मापने के पारंपरिक पैमाने अब पूरी तरह बदल चुके हैं। हाल ही में 8 सितंबर 2026 को गुजरात के वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भव्य कार्यक्रम रनमो फॉर विकसित भारतर को लेकर हुए अभूतपूर्व पंजीकरण ने न केवल एक नया इतिहास रचा , बल्कि लोकतांत्रिक विमर्श में आधुनिक तकनीक के समावेश को एक सर्वथा नई दिशा भी दी है। यह देश के राजनीतिक इतिहास में संभवतः पहला ऐसा अवसर है जब किसी निर्वाचित राष्ट्रप्रमुख के सार्वजनिक कार्यक्रम में जन-भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक व्यावसायिक ऑनलाइन टिकटिंग प्लेटफॉर्म इङ्क्ष्‘टट्रँङ्क्ष्द का सहारा लिया गया और देखते ही देखते मात्र एक घंटे के भीतर पूरा मैदान आरक्षित हो गया। आमतौर पर मनोरंजन, सिनेमा, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों और बड़े संगीत कंसर्ट के टिकटों के लिए दिखने वाला डिजिटल क्रेज जब किसी राजनीतिक और पूरी तरह से विकास-केंद्रित कार्यक्रम के लिए दिखाई देने लगे, तो यह स्पष्ट रूप से रेखांकित करता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन-अपील अपने कार्यकाल के इतने वर्षों बाद भी अपने चरम पर बनी हुई है। इस अभूतपूर्व पंजीकरण प्रक्रिया के समाप्त होने के बाद भी बयालीस हजार से अधिक लोगों का लगातार वेटिंग लिस्ट में बने रहना यह साबित करता है कि जनता अपने नेता को सुनने, उनसे संवाद करने और उनके विजन से जुड़ने के लिए किस कदर उत्सुक है। यह घटना केवल एक सफल इवेंट मैनेजमेंट या प्रशासनिक तत्परता का उदाहरण भर नहीं है, बल्कि यह इस बात का स्पष्ट संकेतक है कि भारतीय समाज का एक बड़ा वर्ग, विशेषकर नव-मतदाता, युवा और तकनीक-सचेत नागरिक, अब विकास की राजनीति को किस तरह से आत्मसात कर रहे हैं और देश के भविष्य को लेकर कितने सजग हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के अंतर्निहित संदेशों को समझने के लिए हमें उस प्रशासनिक और राजनीतिक नवाचार का गहराई से विश्लेषण करना होगा, जो वडोदरा नगर निगम और स्थानीय प्रशासन ने मिलकर इस ऐतिहासिक जनसभा के लिए पेश किया । पारंपरिक रूप से भारतीय राजनीति में रैलियों और जनसभाओं में भीड़ जुटाने के तौर-तरीके हमेशा से विवादों, राजनीतिक रस्साकशी और गंभीर अव्यवस्थाओं के घेरे में रहे हैं, जहाँ बसों और ट्रकों में भरकर लोगों को लाने, असंगठित भीड़ के कारण सुरक्षा घेरे को तोड़ने और यातायात व्यवस्था के पूरी तरह ध्वस्त होने जैसी स्थितियाँ आम हुआ करती थीं। इसके विपरीत, वडोदरा के महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी पवेलियन ग्राउंड में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के लिए डिजिटल माध्यम से मुफ्त क्यूआर-कोड आधारित 'एम-टिकट' जारी करना एक क्रांतिकारी और अनुकरणीय कदम है। यह दृष्टिकोण न केवल उस पुरानी वीआईपी संस्कृति को पीछे छोड़ते हुए आम नागरिकों को गरिमापूर्ण तरीके से सीधे कार्यक्रम का हिस्सा बनने का पारदर्शी अवसर देता है, बल्कि सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिहाज से भी भविष्य की रैलियों के लिए एक नया वैश्विक मॉडल प्रस्तुत करता है। जब प्रत्येक आगंतुक के पास एक प्रमाणित डिजिटल पास होता है, तो कार्यक्रम स्थल पर होने वाली अफरातफरी और भगदड़ जैसी अप्रिय घटनाओं की आशंका पूरी तरह समाप्त हो जाती है। यह पूरी पारदर्शी प्रक्रिया यह भी दर्शाती है कि प्रधानमंत्री का 'डिजिटल इंडिया' का सपना अब केवल बैंकिंग सेवाओं, सरकारी योजनाओं या वित्तीय लेन-देन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि उसने राजनीतिक भागीदारी, लोकतांत्रिक अधिकारों और नागरिक संवाद के बुनियादी तौर-तरीकों को भी पूरी तरह से बदलकर रख दिया है।

इस संदर्भ में, वडोदरा और समग्र गुजरात का आर्थिक व औद्योगिक महत्व इस पूरे विमर्श को एक बेहद मजबूत और ठोस धरातल प्रदान करता है। गुजरात आज भारतीय अर्थव्यवस्था का एक ऐसा मुख्य इंजन बन चुका है, जो देश के कुल निर्यात में लगभग एक तिहाई की हिस्सेदारी रखता है और वैश्विक निवेशकों के लिए भारत का प्रवेश द्वार बना हुआ है। वहीं वडोदरा, जिसे पारंपरिक रूप से 'संस्कारी नगरी' या कला, साहित्य और संस्कृति की राजधानी माना जाता था, आज भारत के सबसे तेजी से उभरते हुए आधुनिक औद्योगिक, हैवी इंजीनियरिंग और फार्मास्युटिकल हब के रूप में अपनी अंतरराष्ट्रीय धाक जमा चुका है। भारत के कुल बिजली पारेषण और वितरण उपकरण निर्माण का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा अकेले वडोदरा और उसके आसपास के औद्योगिक क्षेत्रों से आता है, जो इसे देश का एक प्रमुख ऊर्जा-इंजीनियरिंग केंद्र बनाता है। यही नहीं, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयरबस के संयुक्त उद्यम के तहत इसी वडोदरा की धरती पर स्थापित की गई सी-295 (उ-295) परिवहन विमान निर्माण सुविधा ने इस शहर को वैश्विक रक्षा निर्माण (डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग) के नक्शे पर अग्रिम पंक्ति में ला खड़ा किया है। विमान निर्माण की यह ऐतिहासिक परियोजना न केवल देश को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है, बल्कि स्थानीय स्तर पर हजारों कुशल इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए रोजगार के नए द्वार खोल रही है। जब किसी ऐसे शहर में विकास की एक सर्वथा नई इबारत लिखी जा रही हो, जो सीधे तौर पर देश की जीडीपी को रफ्तार दे रहा हो, तो वहाँ के नागरिकों का देश के नीति-नियंता के प्रति ऐसा जबरदस्त डिजिटल उत्साह दिखाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है। गुजरात की यह आर्थिक ताकत और वडोदरा की औद्योगिक उद्यमशीलता ही वह धुरी है, जिस पर आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक 'मैन्युफैक्चरिंग सुपरपावर' बनने का विशाल राष्ट्रीय सपना टिका हुआ है। इस असाधारण डिजिटल दीवानगी के पीछे जो सबसे महत्वपूर्ण और तात्कालिक कारक है, वह है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकास केंद्रित एजेंडा, जिसे वे रविकसित भारतर के संकल्प के रूप में देश के सामने लगातार रख रहे हैं। 8 सितंबर 2026 का यह वडोदरा दौरा केवल एक औपचारिक राजनीतिक जनसभा नहीं थी , बल्कि यह क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली पैंतीस हजार करोड़ रुपये से अधिक की विशाल विकास परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास का एक ऐतिहासिक राष्ट्रीय उत्सव भी था । इन परियोजनाओं में वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के तीन मुख्य सेक्शन को राष्ट्र को समर्पित किया जाना सबसे प्रमुख है, जो मालगाड़ियों की गति और देश की रसद (लॉजिस्टिक्स) क्षमता को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मील का पत्थर साबित होंगी। इसके साथ ही वडोदरा-रतलाम जैसी बड़ी रेलवे योजनाओं के विस्तार, नई यात्री ट्रेनों की शुरूआत और राष्ट्रीय राजमार्गों के आधुनिकीकरण से जुड़े कई बड़े प्रोजेक्ट्स भी पश्चिमी भारत के आर्थिक बुनियादी ढांचे को एक नया आयाम देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। देश की जनता अब इस बात को भली-भांति समझती है कि बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) में किया जा रहा यह ऐतिहासिक निवेश सीधे तौर पर बड़े निजी निवेश को आकर्षित करेगा, व्यापार को सुगम (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) बनाएगा और आम आदमी के जीवन स्तर में गुणात्मक सुधार लाएगा। इसलिए, जब लोग बुकमायशो जैसे प्लेटफॉर्म पर सुबह-सुबह टिकट बुक करने के लिए डिजिटल कतार में खड़े होते हैं, तो वे वास्तव में केवल एक राजनीतिक भाषण सुनने के लिए नहीं, बल्कि देश के आधुनिक भविष्य को गढ़ने वाले इस युगांतकारी बदलाव के प्रत्यक्ष गवाह बनने के लिए अपनी उत्सुकता और राष्ट्र निर्माण में अपनी मौन सहमति दर्ज करा रहे होते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों और समाजशास्त्रियों के लिए यह संपूर्ण घटनाक्रम एक बेहद गंभीर और दीर्घकालिक अध्ययन का विषय होना चाहिए कि कैसे एक नेतृत्व अपने कार्यकाल के इतने वर्षों के बाद भी अपनी जन-आकर्षण क्षमता को न केवल अक्षुण्ण बनाए रखने में सफल है, बल्कि उसमें निरंतर नए प्रयोगों के माध्यम से वृद्धि भी कर रहा है। समकालीन राजनीति के आलोचक अक्सर एंटी-इंकबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) और लंबे समय तक सत्ता में रहने के कारण जनता में आने वाली स्वाभाविक ऊब की बात करते हैं, लेकिन वडोदरा के इस ताजा अनुभव ने उन सभी पारंपरिक थ्योरीज और चुनावी कयासों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया है। इसका मुख्य कारण यह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को निरंतर बदलते भारत की नई आकांक्षाओं, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह जोड़े रखा है। वे केवल अतीत की सरकारी उपलब्धियों को नहीं भुनाते, बल्कि आने वाले दशकों का एक स्पष्ट, पारदर्शी और साहसिक खाका देश के सामने रखते हैं, जो सीधे तौर पर आज की युवा पीढ़ी (ञ्ल्ल-) को अपनी ओर आकर्षित करता है। आज का युवा वर्ग, जो सोशल मीडिया, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल स्पेस में जीता है, वह देश की राजनीति और शासन व्यवस्था में भी उसी गति, पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिकता की अपेक्षा करता है। जब उन्हें किसी सरकारी या राजनीतिक कार्यक्रम में प्रवेश के लिए ठीक वैसी ही अत्याधुनिक डिजिटल प्रक्रिया का अनुभव मिलता है जैसी वे किसी अंतरराष्ट्रीय शो, फिल्म या आईपीएल मैच के लिए अपनाते हैं, तो उनका जुड़ाव उस राजनीतिक विमर्श और देश के नेतृत्व से और अधिक गहरा तथा आत्मीय हो जाता है। अंततः, 8 सितंबर 2026 को वडोदरा की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह नया प्रयोग आने वाले समय में देश के राजनीतिक परिदृश्य, जनसभाओं के स्वरूप और रैलियों के आयोजन के पारंपरिक तरीकों को हमेशा के लिए बदल सकता है। यह मॉडल पूरे देश को यह स्पष्ट संदेश देता है कि यदि देश के नेतृत्व के प्रति जनता का विश्वास अडिग हो और प्रशासनिक नीतियां आधुनिक व दूरदर्शी सोच से प्रेरित हों, तो लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव भी अधिक व्यवस्थित, अनुशासित, सुरक्षित और सर्व-समावेशी हो सकता है। पैंतीस हजार करोड़ रुपये की विशाल बुनियादी ढांचागत विकास परियोजनाओं की सौगात लेकर गुजरात आ रहे प्रधानमंत्री का यह दौरा आर्थिक प्रगति की दृष्टि से तो बेहद महत्वपूर्ण है ही, लेकिन इसने राजनीति के डिजिटलाइजेशन का जो नया वैश्विक मानक स्थापित किया है, वह आने वाले कई वर्षों तक राजनीतिक गलियारों में विमर्श का मुख्य केंद्र रहेगा। यह संपूर्ण घटनाक्रम अकाट्य रूप से यह साबित करता है कि इक्कीसवीं सदी की भारतीय जनता अब महज रैलियों में बुलाई जाने वाली मूक दर्शक भीड़ नहीं थी , बल्कि वह आधुनिक तकनीक के रथ पर सवार होकर देश के विकास क्रम में एक सक्रिय, जागरूक, गौरवान्वित और सशक्त भागीदार बनने के लिए पूरी तरह तत्पर और संकल्पित है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

बाहर न्यू काशी, भीतर बदहाल बनारस!

-सुरेश गांधी

काशी बदल रही है। यह बात अब केवल सरकारी दावों, भाषणों या होर्डिंग्स में नहीं दिखती। नमो घाट की रोशनी, विश्वनाथ धाम की भव्यता, रिंग रोड की रफ्तार और शहर को महानगरों से जोड़ती चौड़ी सड़कों ने वाराणसी की बाहरी तस्वीर सचमुच बदल दी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2025 तक काशी के विकास के नाम पर 580 परियोजनाओं में करीब 48,459 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। बड़े प्रोजेक्ट लगातार आकार ले रहे हैं। जुलाई 2026 में रिंग रोड और एनएच-19 को जोड़ने वाले 46.039 किलोमीटर गंगा एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 14,447.64 करोड़ और वरुणा किनारे एनएच-31 को रिंग रोड से जोड़ने वाले 43.218 किलोमीटर कॉरिडोर के लिए 10,998.32 करोड़ रुपये मंजूर हुए।

लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के ठीक पीछे एक दूसरा बनारस सांस ले रहा है—और वह सांस भी बदबूदार है। वह बनारस, जहां बारिश होते ही सड़क और नाली की पहचान मिट जाती है। जहां कहीं घुटनों तक पानी है, कहीं सीवर उफन रहा है और कहीं कूड़े के ढेर के बीच से नागरिक रास्ता तलाश रहा है। हाल की बारिश ने करीब 35 इलाकों में जलभराव की समस्या उजागर की। गोदौलिया, नई सड़क, जैतपुरा, कज्जाकपुरा और गिरजाघर जैसे प्रमुख हिस्सों से लेकर मलदहिया, शिवपुरवा, पिपलानी, बजरडीहा, अंबा और कश्मीरीगंज तक पानी और सीवर ने लोगों की मुश्किल बढ़ाई। मारुति नगर और नीलकंठपुरम में कई दिनों तक घुटनों तक पानी जमा रहने की तस्वीरें बताती हैं कि समस्या सिर्फ बारिश की नहीं, जलनिकासी की क्षमता की भी है।

एक शहर, दो तस्वीरें

काशी की सबसे बड़ी विडंबना शायद यही है। एक काशी पर्यटक देखता है—घाटों की रोशनी, विश्वनाथ धाम की दिव्यता, चौड़े मार्ग, रिंग रोड और नए कॉरिडोर। दूसरी काशी नागरिक जीता है—टूटी गली, उफनता नाला, सड़क पर बहता सीवर, कूड़े का ढेर और बारिश में बदलती सड़कें। यही वह अंतर है जो विकास के आंकड़ों और नागरिक अनुभव के बीच खाई पैदा करता है। बड़े प्रोजेक्ट किसी शहर की क्षमता और महत्वाकांक्षा का प्रतीक होते हैं, लेकिन शहर की असली गुणवत्ता उसकी छोटी गलियां तय करती हैं। जिस नागरिक को रोज घर से निकलकर गंदे पानी से होकर गुजरना पड़े, उसके लिए हजारों करोड़ की परियोजना का गौरव तभी मायने रखेगा जब उसका अपना मोहल्ला भी उस बदलाव का हिस्सा बने।

बजट 2,500 करोड़ पार, फिर सवाल क्यों?

नगर निगम और जलकल का वित्तीय वर्ष 2026-27 का कुल बजट करीब 2,575 करोड़ रुपये बताया गया है। नगर निगम का बजट पिछले वर्षों की तुलना में तेजी से बढ़ा है। सफाई व्यवस्था के लिए 180 करोड़ रुपये का प्रावधान है। सीवर लाइन, पंपिंग स्टेशन और एसटीपी की मरम्मत के लिए भी धन रखा गया है। फिर सवाल उठना स्वाभाविक है—अगर संसाधन हैं तो नतीजे कहां हैं? अगर नालों की सफाई के लिए पैसा है तो बरसात में वही नाले क्यों उफनते हैं? अगर सीवर व्यवस्था पर खर्च हो रहा है तो घरों और सड़कों पर सीवेज क्यों पहुंचता है? अगर सफाई का बजट बढ़ा है तो कूड़े के ढेर खत्म क्यों नहीं होते? यह सवाल किसी राजनीतिक दल का नहीं, उस नागरिक का है जो टैक्स देता है और बदले में न्यूनतम नागरिक सुविधा चाहता है। बजट का आकार शहर की सफलता का पैमाना नहीं हो सकता। असली पैमाना यह है कि उस बजट का असर सड़क, नाली, सीवर और सफाई में कितना दिखाई देता है।

सौरभ के सवाल ने खोली दूसरी खिड़की

कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव के क्षेत्र में जलभराव और सीवर की समस्या को लेकर लोगों की नाराजगी सामने आई तो यह मुद्दा राजनीतिक बहस में भी पहुंच गया। कश्मीरीगंज-गुरुधाम क्षेत्र में लोगों ने विरोध जताया। विधायक मौके पर पहुंचे और अधिकारियों से समस्या दूर करने को कहा। इसके बाद सीवर लाइन की डिसिल्टिंग, नई लाइन और पानी निकासी के लिए मशीनें लगाने जैसी कार्रवाई शुरू हुई। सौरभ श्रीवास्तव का तर्क है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काशी के विकास के लिए धन की

कमी नहीं होने दी, लेकिन कई परियोजनाएं समय पर जमीन पर नहीं उतर सकीं। उनका सवाल नगर निगम के बड़े बजट और बरसात से पहले नालों-सीवर की सफाई को लेकर है। उनका यह भी कहना है कि विधायक निधि सीमित है, जबकि शहर की बुनियादी सुविधाओं की जिम्मेदारी बड़े बजट वाले विभागों की है। राजनीतिक नजरिए से इसे जिम्मेदारी दूसरे विभाग पर डालने की कोशिश कहा जा सकता है। लेकिन जनता के सवाल की अपनी स्वतंत्र ताकत है। उसके लिए यह मायने नहीं रखता कि सड़क किस विभाग की है, सीवर किस एजेंसी का और नाला किसके अधीन। नागरिक के सामने जो जनप्रतिनिधि खड़ा है, उससे वह समाधान मांगता है।

मोदी के बनारस में सवाल मोदी से नहीं, व्यवस्था से

काशी में बड़े पैमाने पर विकास हुआ है—इसे नकारना तथ्यों से आंखें मूंदना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सांसद बनने के बाद शहर में सड़क, पर्यटन, रेलवे, पेयजल, शहरी विकास और कनेक्टिविटी से जुड़ी अनेक परियोजनाएं आईं। 48,459 करोड़ रुपये का निवेश अपने आप में छोटी उपलब्धि नहीं है। इसलिए सवाल प्रधानमंत्री के विकास मॉडल के अस्तित्व का नहीं, उसके अंतिम छोर तक पहुंचने का है। बड़ी सड़क बन गई, लेकिन उससे जुड़ी गली कीचड़ में क्यों है? कॉरिडोर तैयार हो रहा है, लेकिन मोहल्ले का सीवर बारिश में क्यों भर जाता है? घाट चमक रहे हैं, लेकिन वहां तक पहुंचने वाले शहर के भीतर के रास्ते नागरिक को क्यों परेशान करते हैं? विकास का अर्थ केवल दिखाई देने वाली भव्यता नहीं है। विकास तब पूरा होता है जब वह रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाता है।

सीवर की सड़ांध में दब जाता है विकास का दावा

हड़हा सराय, दालमंडी, काशीपुरा और गणेशपुरी कॉलोनी से सीवर ओवरफ्लो की शिकायतें सामने आना बताता है कि समस्या किसी एक मोहल्ले तक सीमित नहीं। कश्मीरीगंज में लोगों का सड़क पर उतरना भी उसी असंतोष का विस्तार है। दशकों पुरानी सीवर लाइनों का तर्क अपनी जगह सही हो सकता है। नई लाइनें डालने की योजनाएं भी जरूरी हैं। लेकिन नागरिक का सवाल इससे तत्काल खत्म नहीं होता। उसे आज पानी चाहिए, आज सड़क चाहिए, आज साफ नाला चाहिए। पुरानी व्यवस्था समस्या की वजह हो सकती है, लेकिन हमेशा के लिए समाधान न मिलने का कारण नहीं बन सकती।

जवाबदेही की गेंद किसके पाले में?

यही वह जगह है जहां प्रशासनिक ढांचे की सबसे बड़ी कमजोरी सामने आती है। जनता विधायक से पूछती है। विधायक नगर निगम और संबंधित एजेंसियों की ओर देखते हैं। विभाग पुरानी सीवर लाइन, संसाधन और लंबित परियोजनाओं का हवाला देते हैं। फिर बारिश आती है, पानी भरता है, मशीनें पहुंचती हैं, शिकायतें शांत होती हैं और कुछ महीनों बाद वही कहानी फिर लौट आती है। यह चक्र टूटना चाहिए। नगर निगम को यह बताना होगा कि बजट में प्रावधान कितना है, खर्च कितना हुआ और उससे कितने मोहल्लों में वास्तविक सुधार आया। विभागों को परियोजनाओं की समयसीमा और परिणाम सार्वजनिक करने होंगे। जनप्रतिनिधियों को भी केवल अधिकारियों को निर्देश देने से आगे जाकर यह सुनिश्चित करना होगा कि निर्देश जमीन पर दिखाई दें। क्योंकि जनता अब यह पूछने लगी है कि जिम्मेदारी आखिर किसकी है?

काशी की असली परीक्षा गली में होगी

काशी विश्वनाथ धाम की भव्यता जरूरी है। नमो घाट की सुंदरता भी जरूरी है। रिंग रोड और नए कॉरिडोर भविष्य के लिए आवश्यक हैं। लेकिन इन सबके साथ वह गली भी जरूरी है जहां सुबह कोई बच्चा स्कूल जाता है, जहां दुकानदार अपनी दुकान खोलता है और जहां रात में कोई बुजुर्ग अपने घर लौटता है। काशी की असली परीक्षा कैमरे के सामने नहीं, उसी गली में होगी। वहां न पानी खड़ा होना चाहिए, न सीवर बहना चाहिए, न कूड़े का पहाड़ होना चाहिए और न ऐसा गड्ढा कि घर से निकलना जोखिम बन जाए। क्योंकि शहर की चमक का मूल्यांकन उसके सबसे सुंदर हिस्से से नहीं, सबसे उपेक्षित हिस्से से होता है। आज बनारस के सामने सवाल यह नहीं कि विकास हुआ या नहीं। विकास हुआ है। सवाल यह है कि 48,459 करोड़ की विकास यात्रा और 2,575 करोड़ के नगर निकाय बजट के बीच वह आम बनारसी क्यों खड़ा है, जिसे अब भी साफ सड़क, सुचारु सीवर, नियमित पानी और कूड़ामुक्त गली के लिए इंतजार करना पड़ रहा है? काशी बाहर से बदल गई है। अब बारी भीतर बदलने की है। क्योंकि जिस दिन विकास की रोशनी नमो घाट से निकलकर बनारस की आखिरी गली तक पहुंचेगी, उसी दिन ह्वनई काशीह्न का दावा सचमुच पूरा होगा। तब तक सवाल रहेगा—बनारस में पैसा कम है या जवाबदेही?

काशी की पहचान दुनिया के सबसे प्राचीन जीवंत शहरों में होती है। देश-दुनिया से लोग यहां आध्यात्मिक अनुभव लेने आते हैं, लेकिन शहर की अपनी आबादी आज बुनियादी नागरिक सुविधाओं के लिए जूझ रही है। कहीं सड़क पर घुटनों तक पानी है तो कहीं सीवर उफन रहा है। कहीं सड़क खुदी पड़ी है तो कहीं गड्ढे हादसों को न्योता दे रहे हैं। कूड़े के ढेर रोज उठते हैं, मगर खत्म नहीं होते। पीने के पानी के लिए कई इलाकों में लोग कई-कई दिन इंतजार करते हैं। हालिया तस्वीर इस संकट को और गंभीर बनाती है। करीब 50 हजार करोड़ से बदलती तस्वीर के बीच गलियों में बजबजाता बनारस—कहीं घुटनों तक पानी, कहीं उफनता सीवर, कहीं कूड़े का पहाड़ है. नमो घाट से विश्वनाथ धाम तक विकास की चमक, रिंग रोड से हाईवे तक फरार्टाङ्क्ष लेकिन नगर निगम की गलियों में सड़ांध, जलभराव और गड्ढों से जिंदगी बेहाल. बड़ा सवाल : काशी बदल गईङ्क्ष लेकिन काशी के भीतर रहने वाला बनारसी कब बदले हुए शहर को महसूस करेगा? नगर निगम का बजट 2500 करोड़ पार, फिर भी बनारस बेहाल! जनता पूछ रही—आखिर पैसा जा कहां रहा है?

शहर और रेलवे क्षेत्र में मोबाइल चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। ठाणे और मुंबई सहित शहर तथा रेलवे क्षेत्र में यात्रियों के मोबाइल फोन चोरी करने वाले एक आरोपी को वडाला रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी के मोबाइल फोन सहित अन्य मुद्देमाल भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम मोहम्मद नदीम खान बताया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से ही ठाणे के कापूरबावड़ी पुलिस थाने में मोबाइल चोरी के मामले दर्ज हैं। इसके बाद आरोपी मुंबई के रेलवे क्षेत्र में चोरी की वारदातों को अंजाम देने के उद्देश्य से आया था। वडाला रेलवे पुलिस ने गश्त के दौरान संदिग्ध रूप से घूम रहे आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच के दौरान उसके खिलाफ दर्ज दो मामलों का खुलासा हुआ। पुलिस ने उसके पास से मुंबई तथा कापूरबावड़ी पुलिस थाना क्षेत्र से चोरी अथवा गुम हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद नदीम खान मस्जिद बंदर स्थित इस्लामी हबीब मस्जिद, मोहम्मद अली रोड क्षेत्र का निवासी बताया गया है। कापूरबावड़ी पुलिस थाना, ठाणे शहर क्षेत्र से गुम हुए मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर की जांच कर पुलिस ने मोबाइल की पहचान की और आरोपी को हिरासत में लिया। वडाला रेलवे पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि उसने मुंबई और ठाणे क्षेत्र में अन्य कितनी मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

अंधेरी में नशीला पदार्थ बेचने वाला गिरफ्तार, लाखो रुपये का एमडी जब्त

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा के एंटी नारकोटिक्स सेल ने अंधेरी इलाके में कार्रवाई करते हुए नशीले पदार्थ की बिक्री करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब साढ़े चार लाख रुपये मूल्य का मेफेड्रॉन (एमडी) बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद जमीर अब्दुल अजीज खान के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ अवैध रूप से नशीले पदार्थ रखने और उसकी बिक्री करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस को 7 सितंबर को सूचना मिली थी कि आरोपी अंधेरी क्षेत्र में मेफेड्रॉन की बिक्री करने के लिए आने वाला है। सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने जाल बिछाकर अंधेरी स्थित मानो बीना अपार्टमेंट बस स्टॉप के पास, वेस्ट 10 कंस्ट्रक्शन के सामने, सी. डी. बफीवाला रोड पर कार्रवाई की। पुलिस ने संदिग्ध आरोपी को हिरासत में लेकर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 153.6 ग्राम मेफेड्रॉन (एमडी) बरामद किया गया। जब्त किए गए नशीले पदार्थ की कीमत करीब 4 लाख 60 हजार 800 रुपये बताई गई है।

158 विद्यार्थियों ने शाडू मिट्टी से गढ़े पर्यावरण अनुकूल श्री गणेश प्रतिमा

पालघर (उत्तरशक्ति)। पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से चिंचणी-तारापुर शिक्षण संस्था के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चित्रालय, बोईसर एवं मुंबई ग्राहक पंचायत, बोईसर-तारापुर विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शाडू मिट्टी से गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला में कक्षा 8वीं से 10वीं तक के करीब 158 विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए अपने हाथों से आकर्षक एवं पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। इस दौरान विद्यार्थियों को शाडू मिट्टी के महत्व, प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी गणेश प्रतिमाओं के कारण होने वाले पर्यावरणीय दुष्परिणामों तथा पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। केलवे के सेवानिवृत्त कला शिक्षक विनय पाटील तथा नवली के सेवानिवृत्त कला शिक्षक प्रफुल्ल घरत ने प्रशिक्षक के रूप में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर चिंचणी-तारापुर शिक्षण संस्था की सक्रिय सदस्या डॉ. रमिलाबेन श्रॉफ, संस्था के सामान्य सदस्य एवं मुंबई ग्राहक पंचायत के कोषाध्यक्ष तथा राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक प्रा. संजय घरत, मुंबई ग्राहक पंचायत बोईसर विभाग की कार्यवाह वैशाली पारवेकर, स्नेहल वर्तक, राजेश वर्तक, विद्यालय की मुख्याध्यापिका रोहिणी नाईक एवं दीपक रावरे सहित पदाधिकारी, शिक्षक एवं अन्य उपस्थित रहे। उपस्थित पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों के उत्साह और रचनात्मक कार्य की सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रत्येक घर तक पहुंचाने का आहवान किया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं मुंबई ग्राहक पंचायत के बोईसर-तारापुर विभाग की सर्वत्र सराहना की गई।

महिंद्रा ने वीरो रेंज का विस्तार किया

मुंबई/पटना। भारत की प्रमुख यूटिलिटी व्हीकल निमार्ता और 3.5 टन से कम श्रेणी के एलसीवी सेगमेंट की अग्रणी कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने आज नई वीरो 1.1 XXL CNG और अपग्रेडेड वीरो डीजल लॉन्च करने की घोषणा की। सितंबर 2024 में पहली बार लॉन्च की गई वीरो ने 3.5 टन से कम क्षमता वाले एलसीवी सेगमेंट में इनोवेशन और भरोसेमंद प्रदर्शन का उदाहरण पेश किया है। बेहतरीन माइलेज, शानदार प्रदर्शन और आधुनिक सुरक्षा सुविधाओं के संयोजन वाली वीरो ने महिंद्रा के अर्बन प्रॉस्पर प्लेटफॉर्म की भी शुरूआत की थी। यह भारत का पहला शुरूआत से विकसित किया गया मल्टी-एनर्जी मॉड्यूलर कमर्शियल व्हीकल प्लेटफॉर्म है। नई वीरो 1.1 XXL CNG को खासतौर पर शहर के भीतर परिवहन संबंधी जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इसमें 1.1 टन पेलोड क्षमता के साथ सेगमेंट में सर्वश्रेष्ठ 2,900 मिमी (9.5 फीट) लंबा कार्गो डेक दिया गया है। इससे वाहन के कॉम्पैक्ट आकार को बनाए रखते हुए अधिक मात्रा में सामान ले जाना संभव होता है।

गोदरेज एग्रोवेट ने अनुश्री सिंह को नया चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर नियुक्त किया

मुंबई/पटना। भारत के प्रमुख 'फार्म-टू-प्रोटीन' प्लेटफॉर्म्स में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज घोषणा की कि अनुश्री सिंह कंपनी में चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर के रूप में शामिल हो गई हैं। इस पद पर, अनुश्री कंपनी की 'पीपल स्ट्रेटजी' (कर्मचारी नीतियों और विकास) का नेतृत्व करेंगी। वह लीडरशिप टीम के साथ मिलकर संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने, प्रतिभाओं को निखारने और गोदरेज एग्रोवेट के दीर्घकालिक लक्ष्यों के अनुरूप एक भविष्य-उन्मुख व उच्च-प्रदर्शन वाला संगठन तैयार करने का काम करेंगी। लीडरशिप टीम में उनका स्वागत करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के एमडी एवं सीईओ सुनील कटारिया ने कहा, गोदरेज एग्रोवेट में हमारा उद्देश्य नवाचार (इनोवेशन) के जरिए किसानों को सशक्त बनाना और देश का पोषण करना है।

वरसावे के संवेदनशील क्षेत्र में अवैध पहाड़ कटाई पर मंत्री सरनाईक का सख्त रुख

◆7-इलेवन कंस्ट्रक्शन के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश; वन विभाग के पत्राचार में सामने आए गंभीर तथ्य, मशीनरी जब्त कर काम रोकने का आदेश

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर के वरसावे क्षेत्र में पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील इलाके में कथित तौर पर बिना आवश्यक अनुमति के बड़े पैमाने पर पहाड़ कटाई और खुदाई किए जाने का मामला सामने आया है आने के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कड़ा रुख अपनाया है। मंत्री ने वन विभाग को संबंधित कंपनी 7-इलेवन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने तथा मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी जांच करने के निर्देश दिए हैं। मामला मौजे वरसावे स्थित सर्वे नंबर 34/1 से जुड़ा है। उपलब्ध सरकारी रिपोर्टों के अनुसार यह क्षेत्र पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र में आता है और संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान की वन सीमा के निकट स्थित है। वन विभाग के निरीक्षण में सामने आई खुदाई बताया गया है कि संबंधित स्थल पर भारी मशीनों और जेसीबी की मदद से बड़े पैमाने पर पहाड़ी हिस्से की खुदाई किए जाने की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर पंचनामा एवं माप की कार्रवाई की तथा संबंधित पक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी किया। वन विभाग के पत्राचार में कथित तौर पर यह उल्लेख किया

गया है कि पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का कार्य शुरू करने से पहले संबंधित निगरानी समिति एवं सक्षम प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमति लेना अनिवार्य है। विभागीय दस्तावेजों में पर्यावरण संरक्षण कानूनों तथा वन संबंधी नियमों के उल्लंघन की बात भी सामने आने का दावा किया गया है। जल निकासी और सड़क निर्माण का दिया गया स्पष्टीकरण कंपनी की ओर से वन विभाग को दिए गए स्पष्टीकरण में बताया गया कि स्थल पर वर्षा जल की निकासी और सड़क निर्माण के उद्देश्य से खुदाई की जा रही थी तथा अन्य कोई विकास कार्य नहीं किया जा रहा था। हालांकि, मंत्री सरनाईक ने सवाल उठाया कि यदि क्षेत्र पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील है तो वहां कार्य शुरू करने से पहले आवश्यक अनुमति ली गई थी या नहीं, इसकी स्पष्ट जांच होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमों और दस्तावेजों की जांच के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। मशीनरी जब्त करने और काम तत्काल रोकने के निर्देश मंत्री प्रताप सरनाईक ने वन विभाग को निर्देश दिया है कि मामले में जिम्मेदार व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ पर्यावरण एवं वन कानूनों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाए। उन्होंने खुदाई में इस्तेमाल की जा रही जेसीबी, मशीनरी और अन्य उपकरणों को जब्त करने तथा काम पूरी तरह बंद कराने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही अब तक की गई कार्रवाई और आगे प्रस्तावित कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत करने को कहा गया है।

आदिवासी जमीनों पर अतिक्रमण की भी होगी जांच, मंत्री सरनाईक ने इस मामले को केवल पहाड़ कटाई तक सीमित न रखते हुए आसपास की जमीनों की भी जांच के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने वन विभाग से यह पता लगाने को कहा है कि क्या क्षेत्र में स्थानीय आदिवासियों की जमीनों पर किसी प्रकार का अतिक्रमण हुआ है। विकास के नाम पर पर्यावरण से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि विकास के नाम पर पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी करने का अधिकार किसी को नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निजी भूमि होने के बावजूद पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्रों में लागू नियमों का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि ठाणे और मीरा-भायंदर क्षेत्र की प्राकृतिक पहाड़ियों, जंगलों और पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

अंधेरी विकास मंच द्वारा दहीहंडी उत्सव 2026 उत्साहपूर्वक संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अंधेरी पूर्व के मरोळ में शिवसेना समर्थित अंधेरी विकास मंच की ओर से दहीहंडी उत्सव 2026 का भव्य आयोजन किया गया। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शिवसेना उपनेता कमलेश राय के नेतृत्व में नगरसेवक रितेश राय द्वारा नवपाड़ा मैदान, मरोळ नाका में दहीहंडी उत्सव आयोजित किया गया।

उत्सव में बड़ी संख्या में गोविंदा पथकों ने हिस्सा लिया। भव्य दहीहंडी के लिए 2,11,111 रुपये का पुरस्कार रखा गया था। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों के हाथों सलामी देने वाले प्रत्येक गोविंदा पथक को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

उत्सव को सफल बनाने के लिए नगरसेवक रितेश कमलेश राय की देखरेख में शिवसेना कार्यकताओं ने अथक मेहनत की। कार्यक्रम में विधायक मुरजी पटेल, पूर्व नगरसेविका सुषमा राय सहित राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजक कमलेश राय और रितेश राय ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं सत्कार किया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक मोहन राठोड के संगीतमय मनोरंजन कार्यक्रम ने भी दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

पानी की किल्लत से परेशान सैकड़ों नागरिकों का KDMC मुख्यालय पर मोर्चा

◆खाली हांडे-बाल्टियां लेकर जोरदार नारेबाजी; प्रशासन के खिलाफ जताया आक्रोश
◆नियमित पानी सप्लाई की मांग, समस्या हल नहीं हुई तो आंदोलन तेज करने की चेतावनी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण के आशेळे परिसर में जारी भीषण पानी की किल्लत को लेकर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष आक्रामक हो गया है। पानी के अपने हक की मांग को लेकर सैकड़ों नागरिकों ने खाली हांडे और बाल्टियां लेकर KDMC मुख्यालय पर मोर्चा निकाला और जोरदार प्रदर्शन किया। खाली नल अब नहीं चलेगा और पानी नहीं... जीना मुश्किल जैसे नारों से परिसर गूंज उठा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से तत्काल पानी की समस्या दूर करने की मांग की है। साथ ही, समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन और तेज करने की चेतावनी दी है।

आशेळे परिसर के नागरिक पिछले कई दिनों से अपर्याप्त पानी की सप्लाई से परेशान हैं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने का आरोप लगाते हुए शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष की नगरसेविका ढोने के नेतृत्व में नागरिकों ने सड़क पर उतरकर आंदोलन किया। हाथों में खाली हांडे और बाल्टियां लेकर निकाले गए इस मोर्चे के जरिए नागरिकों ने प्रशासन के प्रति अपना आक्रोश व्यक्त किया। KDMC मुख्यालय के सामने जोरदार नारेबाजी करते हुए प्रदर्शनकारियों ने नियमित और पर्याप्त पानी की सप्लाई की मांग की। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने कहा कि पानी की कमी के कारण रोजमर्रा का जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

महिलाओं और परिवारों को पानी के लिए काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने जल्द से जल्द समस्या का समाधान नहीं किया तो आंदोलन को और व्यापक करने की चेतावनी भी दी गई।

कल्याण-डोंबिवली में ठाकरे गुट की महिला नगरसेविकाओं का अनोखा विरोध

गड्ढों वाली शाल पहनाकर पालिका अधिकारी का किया सत्कार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पश्चिम के रामबाग नंबर-4 परिसर समेत नगरसेवकों के कार्यालय के सामने की सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे होने से नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय महिला नगरसेविकाओं का आरोप है कि सड़कों की बदहाल स्थिति को लेकर कई बार शिकायत करने के बावजूद पालिका प्रशासन की ओर से ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इसी के विरोध में ठाकरे गुट की महिला नगरसेविका स्वप्नाली केणे और अपर्णा भोईर ने पालिका के उपअभियंता रजपूत के कार्यालय पहुंचकर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने गड्ढों से भरी सड़कों का प्रतीक बनी एक गड्ढों वाली शाल अधिकारी को पहनाकर उनका व्यंग्यात्मक सत्कार किया। नगरसेविकाओं का कहना है कि दो दिन पहले ही जिन सड़कों की मरम्मत की गई थी,

वहां दोबारा गड्ढे दिखाई देने लगे हैं। इससे सड़क मरम्मत के काम की गुणवत्ता पर भी सवाल उठ रहे हैं। महिला नगरसेविकाओं ने मांग की कि गणेशोत्सव से पहले शहर की सड़कों को गड्ढामुक्त किया जाए, ताकि गणेश भक्तों और आम नागरिकों को आवागमन में परेशानी न हो। उन्होंने प्रशासन को तंज कसते हुए कहा कि यदि सड़कें अच्छी गुणवत्ता से बनाई गईं और गड्ढों से मुक्त हुईं, तो अगली बार अधिकारी के लिए अच्छी शाल लाकर सम्मान किया जाएगा। साथ ही, गणेशोत्सव से पहले यदि सड़कों की मरम्मत का काम पूरा नहीं किया गया, तो ठाकरे गुट की ओर से तीव्र आंदोलन छेड़ने की चेतावनी भी महिला नगरसेविकाओं ने पालिका प्रशासन को दी है।

आदर्श विद्यालय में उत्साहपूर्वक मनाया शिक्षक दिवस

◆शिक्षकों के सम्मान के साथ विद्यालय को प्रोजेक्टर भेंट
◆विद्यार्थियों ने व्यक्त किया गुरुजनों के प्रति सम्मान

पालघर(उत्तरशक्ति)। शिक्षक दिवस के अवसर पर मंगलवार 8 सितंबर 2026 को आदर्श विद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में अनुश्री फाउंडेशन के अध्यक्ष राकेश तिवारी व सचिव पुष्पा तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ फाउंडेशन के शहर सचिव आशा मिश्रा, सदस्य उषा चतुर्वेदी सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुई। विद्यार्थियों ने अतिथियों एवं शिक्षकों का स्वागत करते हुए शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस दौरान विद्यार्थियों ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन, व्यक्तित्व तथा शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अपने जीवन में शिक्षक की भूमिका और गुरुजनों के महत्व पर भी प्रभावी विचार व्यक्त किये। शिक्षक दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की शिक्षा को अधिक आधुनिक, प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से विद्यालय को प्रोजेक्टर भेंट किया गया। आधुनिक शिक्षण सुविधा उपलब्ध होने से शिक्षकों को अध्यापन के दौरान काफी सुविधा मिलेगी, वहीं विद्यार्थियों को विविध विषय दृश्य माध्यम से समझने में मदद मिलेगी। समारोह के दौरान विद्यालय की ओर से सभी शिक्षकों को घड़ी, कपड़े एवं सम्मानपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं एलएंडटी कंपनी की ओर से भी शिक्षकों को प्रमाणपत्र एवं कपड़े प्रदान किये गये। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए नाश्ते की व्यवस्था भी की गई थी।विद्यालय के ट्रस्टी की ओर से मुख्य अतिथि राकेश तिवारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। साथ ही राकेश तिवारी एवं पुष्पा तिवारी को स्मृतिचिह्न स्वरूप पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। विद्यालय परिवार की ओर से उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत एवं सत्कार किया गया। विद्यालय के संस्थापक एवं निदेशक सुभाष पाटील ने शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ अनुशासन एवं संस्कार देना शिक्षकों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। सीमित संसाधनों और छोटे क्षेत्र में बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन शिक्षकों के समर्पण, मेहनत और मार्गदर्शन से विद्यार्थी निश्चित रूप से सफलता की ओर आगे बढ़ सकते हैं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने का कार्य नहीं करते, बल्कि वे विद्यार्थियों को जीवन में सही दिशा दिखाते हैं। शिक्षकों के मार्गदर्शन, संस्कार एवं प्रेरणा से विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। सुबह 8.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक चले इस समारोह में विद्यार्थी, शिक्षक, अभिभावक एवं अतिथियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आदर्श विद्यालय के विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में दिखाया उत्साह

पालघर(उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नई तकनीकों के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से टैब-3 एवं टैब-4 स्थित विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में अनुश्री फाउंडेशन की सचिव पुष्पा तिवारी तथा शहर सचिव आशा मिश्रा के मार्गदर्शन में आदर्श विद्यालय के 30 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न विज्ञान संबंधी उपकरणों, प्रयोगों एवं तकनीकी जानकारियों से अवगत कराया गया। विद्यालय के प्रधानाध्यापक आशीष मिश्रा ने विद्यार्थियों को विभिन्न इंस्ट्रूमेंट और उनके उपयोग के बारे में विस्तार से

जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं शैक्षणिक अवसरों का लाभ उठाकर विद्यार्थी अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को संबंधित सरकारी पोर्टल/योजना के माध्यम से आगे बढ़ने और उपलब्ध अवसरों का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों को विज्ञान एवं तकनीक से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। बच्चों ने प्रदर्शनी में विभिन्न गतिविधियों को करीब से देखा और उनमें उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को खिलौने एवं अन्य सामग्री भी प्रदान की गई, जिससे बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा नई चीजें सीखने में विशेष रुचि दिखाई। प्रदर्शनी में मिली जानकारी से बच्चे काफी प्रभावित हुए और उन्हें विज्ञान एवं तकनीक की दुनिया को करीब से समझने का अवसर मिला। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आशीष मिश्रा, उपप्रधानाध्यापक मुकुंद देवघर, वैदेही सोनी सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

श्री नागेश्वर महादेव मंदिर में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ द्वारा श्रावणी उत्सव कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पेशवाकालीन श्री नागेश्वरी मंदिर, चिंचणी में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ की ओर से आयोजित भव्य श्रावणी उत्सव धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्र के ब्राह्मण समाज के लोगों ने उत्स्फूर्त सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ के मुंबई प्रदेश अध्यक्ष बाबा जोशी, पालघर जिलाध्यक्ष दिनेश पाठक, कार्याध्यक्ष निवृत्ती जोशी, मंडल के उपाध्यक्ष मुकेश बाबरेकर, सचिव कौशिक बर्वे तथा प्रवीण पाठक ने विशेष मेहनत की। वाणगांव विभाग के कार्यकताओं मुन्ना चौबे, हर्षल पंडित एवं अमरदेव पाठक का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। बोईसर ब्राह्मण संघ तथा

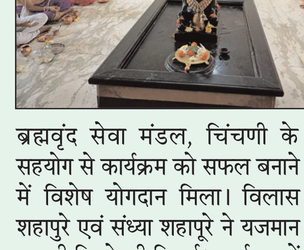

ब्रह्मवृंद सेवा मंडल, चिंचणी के सहयोग से कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान मिला। विलास शहापुरे एवं संध्या शहापूरे ने यजमान पद की जिम्मेदारी निभाई। कार्यक्रम में पालघर जिला पुरोहित आघाड़ी के अध्यक्ष दिनेश जोशी महाराज तथा त्र्यंबकेश्वर के मंगेश पंडित ने मुख्य पुरोहित के रूप में शास्त्रोक्त विधि-विधान से पूजा-अर्चना संपन्न कराई। श्रावणी कार्यक्रम के दौरान धार्मिक विधियों के साथ सामूहिक स्नेहभोजन का भी आयोजन किया गया। भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी माधवी जोशी एवं उनके परिवार ने कुशलतापूर्वक संभाली। मंडल को निरंतर आर्थिक सहयोग देने वाले दानदाताओं के योगदान से भोजन व्यवस्था भी सुचारू रूप से संपन्न हुई। कार्यक्रम के लिए श्री नागेश्वरी देवस्थान की ओर से निःशुल्क स्थान उपलब्ध कराने पर आयोजकों ने देवस्थान प्रबंधन का विशेष आभार व्यक्त किया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रावणी विधि, धार्मिक कार्यक्रम एवं सामूहिक स्नेहभोजन का लाभ लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्तिमय, अनुशासित एवं आनंदपूर्ण वातावरण देखने को मिला। सफल आयोजन के लिए उपस्थित समाजबंधुओं ने अखिल भारतीय ब्राह्मण महासंघ, बोईसर ब्राह्मण संघ, ब्रह्मवृंद सेवा मंडल चिंचणी तथा सभी कार्यकताओं का अभिनंदन किया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

दिनदहाड़े महिला की सिर कूचकर हत्या, पनौली गांव में सनसनी

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के पनौली गांव में सोमवार को दिनदहाड़े 50 वर्षीय महिला की हत्या से सनसनी फैल गई। महिला नए मकान में दरवाजा लगवाने के लिए गई थी। कुछ देर बाद वह मकान के अंदर लहूलुहान हालत में मृत मिली। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं।

मृतका की पहचान गुड़िया (50), पत्नी मुख्तार अंसारी, निवासी पनौली के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार गुड़िया नए मकान में दरवाजा लगवाने के लिए गई थी और मिस्त्री के आने का इंतजार कर रही थी। दोपहर करीब एक बजे उसके गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, जहां वह मृत पड़ी मिली।

सिर पर गंभीर चोट के निशान मिलने से आशंका जताई जा रही है कि किसी भारी वस्तु से वार कर उसकी हत्या की गई है। हालांकि हत्या किसने और किस वजह से की, इसका अभी खुलासा नहीं हो सका है।

बताया गया कि गुड़िया अपनी दो बेटियों के साथ रहती थी, जबकि उसके दो बेटे रोजगार के सिलसिले में अहमदाबाद में रहते हैं। पति मुख्तार अंसारी विदेश में नौकरी करते हैं। घटना के बाद बेटियों ने अपने भाइयों के आने तक शव ले जाने से रोकने की बात कही।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस हत्या के कारण और वारदात में शामिल लोगों का पता लगाने में जुटी है।

थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि महिला की हत्या हुई है। घटना का जल्द ही अनावरण कर दिया जाएगा। दिनदहाड़े हुई इस वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों और परिजनों की निगाह अब पुलिस की जांच पर टिकी है।

ऋण जमा अनुपात बढ़ाने पर सीडीओ ने बैंकों को दिए विशेष निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खड़िया की अध्यक्षता में जिला सलाहकार समिति एवं बैंकर्स समिति की बैठक मंगलवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में बैंकिंग सेवाओं तथा सरकार प्रायोजित योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने ऋण-जमा अनुपात की विस्तृत समीक्षा करते हुए इसे बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने यूनियन बैंक, स्टेट बैंक एवं उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक को विशेष रूप से ऋण-जमा अनुपात में सुधार पर ध्यान देने को कहा। साथ ही जिले की सभी बैंक शाखाओं, एटीएम तथा बैंक मित्रों के कार्यों की भी समीक्षा की गई।

बैठक में वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण अभियान के साथ स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, एनआरएलएम सहित विभिन्न सरकार प्रायोजित योजनाओं की जून तिमाही 2026 की प्रगति की समीक्षा की गई।

सीडीओ ने फसल बीमा योजना के लिए विशेष कैंप आयोजित कर निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। वहीं मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत बैंक शाखा प्रबंधकों से पात्र लाभार्थियों को ऋण उपलब्ध कराने में पूर्ण सहयोग करने को कहा, ताकि जिले के ऋण-जमा अनुपात में बेहतर वृद्धि हो सके।

बैठक में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के एलडीओ उमेश चौधरी, अग्रणी जिला प्रबंधक कुमार हर्षमान, डीडीएम नाबार्ड रामअवध यादव, वित्तीय सलाहकार कमलेश यादव, निदेशक आरसेटी, राहुल कुमार सहित जिले के विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों को मिला मनोवैज्ञानिक सहयोग

जौनपुर,गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के तत्वावधान में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में राजकीय संप्रेक्षण गृह/बाल गृह, गाजीपुर में पॉक्सो एक्ट से संबंधित किशोरों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता एवं परामर्श कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य किशोरों को भावनात्मक सहयोग देने के साथ उनमें सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास एवं आत्मनियंत्रण विकसित करना रहा।

कार्यक्रम में राजकीय महिला पी.जी. कॉलेज, गाजीपुर के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार, मनोवैज्ञानिक काउंसलर सुषमा मौर्या एवं शोधार्थी श्वेता गुप्ता ने किशोरों से संवाद कर व्यक्तिगत एवं सामूहिक परामर्श दिया। विशेषज्ञों ने तनाव, भय, अपराधबोध एवं नकारात्मक भावनाओं से सकारात्मक तरीके से निपटने के उपाय बताए।

डॉ. शिव कुमार ने कहा कि किशोरावस्था संवेदनशील चरण है और सही समय पर मनोवैज्ञानिक सहयोग उनके व्यक्तित्व एवं भविष्य को सकारात्मक दिशा दे सकता है। जिला प्रोबेशन अधिकारी संजय सोनी एवं संस्था अधीक्षक राम अचल मौर्य का सहयोग रहा।

कार्यक्रम समन्वयक एवं अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी के तहत ऐसे कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि संवेदनशील किशोरों को सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराना उनके सकारात्मक पुनर्वास एवं बेहतर भविष्य के लिए आवश्यक है।

ईद मिलादुन्नबी पर विजेता अंजुमनों का सम्मान, बांटे गए पुरस्कार

अर्श अली शद

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जश्ने ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर सचिन मैरिज हाल में नजर बैग के प्रोपराइटर गुड्डू कुरैशी की ओर से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सीरत कमेटी की ओर से आयोजित जुलूस-जलसे में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली अंजुमनों के साथ विभिन्न सजावट कमेटियों को सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि शहर-ए-इमाम मौलाना अबुल कलाम ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रथम स्थान प्राप्त अंजुमन को फ्रिज, हैंडबैग व शील्ड, द्वितीय स्थान वाली अंजुमन को दो कूलर, हैंडबैग व शील्ड तथा तृतीय स्थान वाली अंजुमन को कूलर, हैंडबैग व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

इस दौरान पूर्व सदर शमसुल इस्लाम, पूर्व सदर तहसीन मुस्तफा, सभासद फराज सिद्दीकी, इरशाद खान, साजिद इकबाल, नेहाल अंसारी, कामरान खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में जश्ने ईद मिलादुन्नबी में शामिल सभी अंजुमनों एवं सजावट कमेटियों की गुलपोशी कर हैंडबैग और शील्ड देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजक गुड्डू कुरैशी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ता है और वे भविष्य में सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों में और उत्साह के साथ भाग लेते हैं।

सर्पदंश से छह वर्षीय बालिका की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

तेजीबाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के गौराखुर्द गांव में बीती रात सर्पदंश से छह वर्षीय बालिका की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय बलिराम यादव की नातिन और विनोद यादव की पुत्री श्वेता यादव (6) अपने ननिहाल गौराखुर्द में रहकर पढ़ाई करती थी। सोमवार की रात खाना खाने के बाद परिवार के सभी सदस्य सो गए। श्वेता भी घर में तख्त पर सो रही थी। रात करीब तीन बजे अचानक उसके सीने में दर्द हुआ, जिसके बाद परिजन जाग गए। इसी दौरान घरवालों की नजर चूल्हे के पास बैठे करैत सांप पर पड़ी।

परिजन आनन-फानन में बालिका को बादलपुर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि सांप ने बच्ची को तीन बार डसा था। घटना की सूचना मिलने पर तेजीबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बालिका की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

तमंचा-कारतूस लेकर घूम रहा युवक गिरफ्तार, पुलिस ने भेजा न्यायालय

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत खेतासराय पुलिस ने सोमवार को एक युवक को अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार

गिरफ्तार आरोपी की पहचान अरबाज पुत्र इरशाद अहमद, निवासी वार्ड नंबर-10 कोहरौटी, थाना खेतासराय के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने उसे शक्करपुर तिराहा, मानीखुर्द के पास से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 315 बोर का एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ खेतासराय थाने में चोरी, बरामदगी, एनडीपीएस एक्ट और आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार राय, कांस्टेबल शैलेश यादव और कांस्टेबल विनोद प्रजापति शामिल रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। 12 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जनजागरूकता अभियान शुरू किया गया। जनपद न्यायालय परिसर में

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार शशि ने प्रचार वाहन एवं पीएलवी की मोटरसाइकिल को हरी झंडी दिखाकर विभिन्न क्षेत्रों के लिए रवाना किया। प्रचार वाहन तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से मामलों के त्वरित एवं सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारण की जानकारी देगा। इस दौरान पंपलेट, पोस्टर और स्टीकर वितरित कर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

इस अवसर पर अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार यादव-प्रथम, नोडल अधिकारी लोक अदालत रणजीत कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती श्वेता यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह सहित न्यायिक अधिकारी, अधिवक्ता एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला थाने में सरकारी इंसास राइफल से चली गोली, महिला सिपाही की मौत

कौशांबी (उत्तरशक्ति)। कौशांबी के महिला थाने में पहरा ड्यूटी के दौरान सरकारी इंसास राइफल से गोली चलने से 2025 बैच की महिला आरक्षी प्रियंका यादव की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। गोली लगने के बाद महिला आरक्षी को तत्काल जिला अस्पताल मंझनपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतका के गाजीपुर की रहने वाली होने की जानकारी सामने आई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने महिला थाने पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। फील्ड यूनिट ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस के अनुसार घटना के कारणों और परिस्थितियों की विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही गोली चलने की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

प्रधानमंत्री के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रोहनिया में भाजपा की जिला कार्यशाला आयोजित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय केशरीपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में ह्लसेवा और समर्पण के 25 वर्ष : सेवा संकल्प अभियान-

2026ह्व के तहत जिला कार्यशाला आयोजित हुई। कार्यशाला में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, सेवा संकल्प को घर-घर तक पहुंचाने तथा विकसित भारत के निर्माण हेतु समर्पित भाव से कार्य करने की रणनीति बनी।भाजपा राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रदेश सह-प्रभारी जगदीश भाई पटेल ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान भाजपा के विचार और संगठन की ताकत का प्रमाण है, कार्यकर्ता बूथ स्तर तक जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का कार्य करेंगे। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि मोदी का 25 वर्ष का कार्यकाल सेवा और समर्पण का प्रतीक है, प्रत्येक कार्यकर्ता उनके संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएगा। इस अवसर पर काशी क्षेत्र प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष रमेश सिंह, काशी क्षेत्र अध्यक्ष अशोक चौरसिया, जिला प्रभारी एवं एमएलसी अरुण पाठक और जिलाध्यक्ष रामशकल पटेल मौजूद रहे।

संस्कार भारती के बाल गोकुलम में राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे-मुन्ने

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। संस्कार भारती जौनपुर की ओर से रविवार को सिद्धार्थ उपवन में 37वां बाल गोकुलम श्री राधाकृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में बच्चों ने लल्ला, श्री राधा और श्रीकृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा एवं संस्कारों की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद जौनपुर की अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, कार्यक्रम अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह, काशी प्रांत महामंत्री सुजीत श्रीवास्तव, संस्था के अध्यक्ष डॉ. ज्योति दास, महामंत्री अमित गुप्ता सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। बच्चों की आकर्षक वेशभूषा और प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने संस्कार भारती के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था भारतीय संस्कृति, कला और

संस्कारों को नई पीढ़ी से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। वक्ताओं ने ऐसे आयोजनों को बच्चों में सांस्कृतिक चेतना विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया।

प्रतियोगिता में लल्ला वर्ग में शिवाली श्रीवास्तव प्रथम, वंशिका आर्या द्वितीय और कृश तृतीय रहे। श्री राधा वर्ग में शिवांगी अग्रहरि प्रथम, दिव्यांशी सिंह द्वितीय और अनायसा जायसवाल तृतीय रहीं। श्रीकृष्ण वर्ग में देव अग्रहरि प्रथम, मनन सेठ द्वितीय और कविश उपाध्याय तृतीय रहे।

विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। निर्णायक मंडल की सदस्य सुषमा गुप्ता, अर्चना सिंह एवं कलाविद नवीन विश्वकर्मा को भी स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन ऋषि श्रीवास्तव ने किया। अंत में 'वंदे मातरम' के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जाफराबाद में खाद्य विभाग की छापेमारी से मचा हड़कंप, कई दुकानदार दुकानें बंद कर हुए फरार

जाफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जाफराबाद कस्बे में खाद्य विभाग की टीम द्वारा छापेमारी किए जाने से बाजार में हड़कंप मच गया। कार्रवाई की भनक लगते ही कई दुकानदार अपनी-अपनी दुकानें बंद कर मौके से निकल गए।

जानकारी के अनुसार खाद्य विभाग के इंस्पेक्टर विनोद यादव के नेतृत्व में टीम ने कस्बे में विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों पर जांच की। टीम ने शिवाला मंदिर स्थित अनरसा की दुकान से तेल का नमूना, प्रेम डेयरी से दूध व पनीर तथा एक मिष्ठान भंडार से जलेबी और गजोधर मिष्ठान भंडार से बेसन के लड्डू का नमूना लिया। सभी नमूनों को जांच के लिए भेजा गया है।

बताया जा रहा है कि बाजार में मिलावटी दूध, पनीर, खोवा और मिठाइयों की बिक्री की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए खाद्य विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। छापेमारी की खबर फैलते ही कई दुकानदारों ने शटर गिरा दिए, जिससे पूरे बाजार में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। खाद्य विभाग की कार्रवाई से मिलावटखोरों में हड़कंप मचा हुआ है। स्थानीय लोगों ने खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की जांच और कार्रवाई लगातार जारी रखने की मांग की है।

पुलिस ने पुलिस से ही मांगी रिश्वत, शिकायत पर दारोगा-सिपाही के खिलाफ मुकदमा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। साइबर ठगी की रकम वापस दिलाने के नाम पर पुलिसकर्मियों द्वारा कथित तौर पर रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला कांस्टेबल के भाई से ऑनलाइन करीब 60 लाख रुपये की ठगी हुई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने करीब 33 लाख रुपये की रकम फ्रीज कराई थी, जिसे कोर्ट ने पीड़ित को रिलीज करने का आदेश दिया।

आरोप है कि रकम वापस दिलाने के नाम पर विवेचक उपनिरीक्षक ओमनारायण गौतम और कांस्टेबल अभिषेक कुमार ने पीड़ित परिवार से 4.20 लाख रुपये रिश्वत ली। इसके बावजूद उन्हें केवल 24 लाख रुपये ही वापस मिल सके।

पीड़ित परिवार का आरोप है कि इसके बाद कुछ अन्य पुलिसकर्मियों ने भी रकम वापस कराने के नाम पर 20 प्रतिशत कमीशन की मांग की। परेशान होकर परिवार ने पुलिस कमिश्नर से शिकायत की।

शिकायत का संज्ञान लेते हुए पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर उपनिरीक्षक ओमनारायण गौतम और कांस्टेबल अभिषेक कुमार के खिलाफ घूसखोरी के आरोप में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में सामने आए आरोपों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ वाराणसी के चुनाव में निर्विरोध चुनी गई नई कार्यकारिणी

डॉ.राजेश्वर नारायण सिंह अध्यक्ष, डॉ. अमित सिंह सचिव और डॉ. अतुल सिंह वित्त सचिव निर्वाचित

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ, वाराणसी शाखा के द्विवर्षीय चुनाव वर्ष 2026-27 एवं 2027-28 के परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए। जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.पी. सिंह द्वारा नामित चुनाव अधिकारी डॉ. संजय राय ने चुनाव परिणाम की घोषणा की।

चुनाव में अध्यक्ष पद पर डॉ. राजेश्वर नारायण सिंह, सचिव पद पर डॉ. अमित सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कार्तिकेय सिंह, उपाध्यक्ष डॉ. हेमंत सिंह, महिला उपाध्यक्ष डॉ. सारिका राय, वित्त सचिव डॉ. अतुल सिंह, केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. विनय कुमार मिश्रा तथा संपादक पद पर डॉ. शिवशक्ति प्रसाद द्विवेदी निर्विरोध निर्वाचित हुए।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.पी. सिंह ने माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. राजेश्वर नारायण सिंह ने कहा कि वर्षों से लंबित पीएमएस 2020 सेवा नियमावली में संशोधन, समय से पदोन्नति तथा समयबद्ध एसएसीपी (SACP) लागू कराने के लिए प्रदेश कार्यकारिणी से समन्वय स्थापित कर प्रभावी प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए एसएसपीजी कबीरचौरा, डीडीयू पांडेयपुर, एलबीएस रामनगर सहित अन्य सरकारी चिकित्सालयों के चिकित्सकों को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में जोड़ा जाएगा।

नवनिर्वाचित सचिव डॉ. अमित सिंह ने कहा कि संगठन को मजबूत करने के साथ ही जिला पीएमएस संघ की नियमित त्रैमासिक बैठक कराई जाएगी। बैठकों में चिकित्सकों की समस्याओं पर चर्चा कर मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं प्रशासनिक अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए उनके निराकरण का प्रयास किया जाएगा।

वित्त सचिव डॉ. अतुल सिंह ने कहा कि संघ के कार्यों में बजट की कमी नहीं आने दी जाएगी। संगठन हित के कार्यों में पारदर्शिता के साथ वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। वहीं महिला उपाध्यक्ष डॉ. सारिका राय ने कहा कि महिला चिकित्सकों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ संघ के समक्ष रखा जाएगा।

अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने चुनाव प्रक्रिया के सफल आयोजन एवं सहयोग के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.पी. सिंह का आभार व्यक्त किया।

संवाद समस्या समाधान की पहली सीढ़ी: कुलपति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि 'संवाद ही समस्या समाधान की पहली सीढ़ी है।' विश्वविद्यालय विद्यार्थियों की शैक्षणिक, प्रशासनिक, छात्रावास, परीक्षा, अनुशासन एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संवाद कार्यक्रम में विभिन्न संकायों एवं विभागों के विद्यार्थियों ने कुलपति से सीधे संवाद करते हुए अपनी समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया। कुलपति ने विद्यार्थियों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार उनके समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं विश्वविद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने में किसी प्रकार की झिझक नहीं होनी चाहिए। प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच खुला एवं नियमित संवाद बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का

उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित, सहयोगी एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं एवं सुझावों को उचित माध्यम से विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष रखें। इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने छात्र हित में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, सुविधाओं एवं शैक्षणिक सहयोग की जानकारी दी। संवाद कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितेश जायसवाल ने किया।

वरिष्ठ पत्रकार ओ.पी. तिवारी बने शिवसेना शिंदे गुट उ.भा.स. संगठन के जिला प्रवक्ता

मुंबई। शिवसेना शिंदे गुट उत्तर भारतीय संगठन (महाराष्ट्र) के मुंबई अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह ने जाने-माने मान्यता प्राप्त वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी ओ.पी. तिवारी को जिला प्रवक्ता पद पर नियुक्त किया। इस अवसर पर संगठन के मुंबई उपाध्यक्ष संतोष सिंह भी उपस्थित रहे। ओ.पी. तिवारी के पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में लंबे अनुभव को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद उपस्थित पदाधिकारियों एवं शुभचिंतकों ने ओ.पी. तिवारी को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। संगठन को उम्मीद है कि तिवारी अपने अनुभव और सामाजिक सरोकारों के माध्यम से संगठन को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांस्टेबल की 16 साल पहले हुई बर्खास्तगी की रद्द, दो सप्ताह में पुन: बहाली का आदेश

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अधिवक्ता सुधांशु कुमार मिश्रा को सुनते हुए संजय कुमार चौहान की रिट याचिका स्वीकार करते हुए 29 अक्टूबर 2010 के सेवा से बर्खास्तगी आदेश तथा 22 जनवरी 2011 के अपीलीय और 31 अक्टूबर 2011 के पुनरीक्षण आदेश को निरस्त कर दिया है। अदालत ने मामले को अनुशासनिक प्राधिकारी के पास नए सिरे से विचार के लिए भेजा है।

याची संबंधित समय में सिविल पुलिस में कांस्टेबल था और पुलिस लाइंस, गोरखपुर में तैनात था।

उसका कहना था कि दिसंबर में हाथ में फ्रैक्चर होने के कारण वह उपचार में था और 3 जनवरी 2010 को दवा लेने गया था। इसी दौरान गणना में उसकी अनुपस्थिति दर्ज की गई। अगले दिन 4 जनवरी की घटना को लेकर उस पर शराब सेवन और सम्मेलन कक्ष में चल रही वाद-विवाद प्रतियोगिता के दौरान अभद्र आचरण का आरोप लगा। बाद में उसके विरुद्ध नियमित विभागीय कार्यवाही चली और उसे सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। याची की ओर से तर्क दिया गया कि 3 जनवरी को अनुपस्थिति दर्ज होने के बावजूद वह 4 जनवरी को पुलिस लाइंस में मौजूद था और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का प्रयास कर रहा था।

शराब सेवन के आरोप के संबंध में यह भी कहा गया कि मेडिकल परीक्षण के बाद रक्त या मूत्र परीक्षण नहीं किया गया और मेडिकल रिपोर्ट की प्रति उसे उपलब्ध नहीं कराई गई। बर्खास्तगी के दंड को अत्यधिक और आरोप की तुलना में असंगत बताया गया। राज्य की ओर से कहा गया कि विभागीय कार्यवाही 1991 के नियमों के नियम 14(1) के अनुसार की गई और याची को बचाव का पूरा अवसर मिला। सरकारी अस्पताल की चिकित्सकीय राय तथा याची के पूर्व सेवा आचरण को ध्यान में रखते हुए दंड दिया गया था। न्यायालय ने रिकॉर्ड के आधार पर पाया कि शराब सेवन से संबंधित मेडिकल परीक्षण रिपोर्ट विभागीय जांच में न तो याची को उपलब्ध कराई गई, न उसे पेश किया गया और न ही सिद्ध किया गया। प्रतिवादियों के जवाबी हलफनामे में भी यह नहीं कहा गया था कि मेडिकल रिपोर्ट की प्रति याची को दी गई थी।

अदालत ने कहा कि ऐसी रिपोर्ट पर भरोसा कर शराब सेवन का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं था । अनधिकृत अनुपस्थिति के आरोप पर भी अदालत ने गौर किया कि याची को 3 जनवरी 2010 से अनुपस्थित माना गया, जबकि वह 4 जनवरी को पुलिस लाइंस में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए मौजूद था। अदालत ने रिकॉर्ड के आधार पर संबंधित अधिकारी के आचरण को पक्षपातपूर्ण माना। न्यायालय ने कहा कि सम्मेलन कक्ष में कुछ अभद्र गतिविधि और दुर्व्यवहार सिद्ध मान भी लिया जाए तो सेवा से बर्खास्तगी का दंड अत्यधिक असंगत है। अंततः हाईकोर्ट ने रिट याचिका स्वीकार कर तीनों विवादित आदेश रद्द कर दिए। अनुशासनिक प्राधिकारी को प्रमाणित प्रति प्रस्तुत किए जाने की तारीख से तीन महीने के भीतर न्यायालय की टिप्पणियों के आधार पर नया आदेश पारित करने को कहा गया है। साथ ही याची को प्रमाणित प्रति प्रस्तुत होने के दो सप्ताह के भीतर सेवा में पुनः बहाल करने का निर्देश दिया गया है। अन्य परिणामी लाभों की पात्रता अनुशासनिक प्राधिकारी के नए आदेश के अनुसार तय होगी।

जेआईसीए के सहयोग से पूरा हुआ वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भारत-जापान संबंधों में मील का पत्थर होगा साबित

मुंबई। जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जेआईसीए) के सहयोग से वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डब्ल्यूडीएफसी) का निर्माण कार्य पूरा हो गया है और यह पूरी तरह परिचालन में आ गया है। यह परियोजना भारत-जापान के बीच दीर्घकालिक इंफ्रास्ट्रक्चर सहयोग में मील का पत्थर साबित होगी। भारत सरकार के रेल मंत्रालय के तहत कार्यरत डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) द्वारा विकसित इस महत्वाकांक्षी परियोजना को जेआईसीए की वित्तीय और तकनीकी सहायता प्राप्त हुई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा से वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूर्ण हो चुके तीन महत्वपूर्ण सेक्शन राष्ट्र को समर्पित किए। कुल 326 किलोमीटर लंबे इन तीन सेक्शनों के निर्माण पर 20,703 करोड़ की लागत आई है। इनमें न्यू सनद नॉर्थ-न्यू मकरपुरा, न्यू उम्बरगांवझ्न्यू सफले और न्यू सफलेझ्न्यू जेएनपीटी सेक्शन शामिल हैं। 1,506 किलोमीटर लंबे वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के पूरी तरह चालू होने के साथ उत्तर प्रदेश का दादरी, मुंबई स्थित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (जेएनपी) से रेल मार्ग के माध्यम से जुड़ गया है। यह भारत के फ्रेट ट्रांसपोर्टेशन नेटवर्क के आधुनिकीकरण और देश की लॉजिस्टिक्स क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस अवसर पर मुंबई में जापान की कॉन्सुल-जनरल सुश्री सातो हितोमी ने कहा कि वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का उद्घाटन जापान-भारत सहयोग के फ्लैगशिप परियोजना के सफल समापन का प्रतीक है। एक राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स आर्टरी के रूप में यह हाई-कैपेसिटी और पूरी तरह इलेक्ट्रिफाइड कॉरिडोर लॉजिस्टिक्स को गति देगा, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगा, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करेगा और यात्री रेल लाइनों पर भीड़ घटाने में मदद करेगा़ उन्होंने कहा कि जापान को ओडीए योजना के माध्यम से इस महत्वपूर्ण पहल में योगदान देने पर गर्व है। जेआईसीए सहित जापानी और भारतीय कंपनियों तथा विशेषज्ञों ने इस परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए अथक प्रयास किए।

जेआईसीए इंडिया के चीफ रिप्रेजेंटेटिव ताकेउची ताकुरो ने कहा, डब्ल्यूडीएफसी केवल एक रेलवे परियोजना नहीं है, बल्कि यह विजन, समर्पण और साझेदारी की कहानी है। जब इस परियोजना का विचार पहली बार सामने आया था, तब यह कई लोगों को बेहद महत्वाकांक्षी लगा था।

भाजपा वसई-विरार जिला कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

विरार। भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार शहर जिला कार्यकारिणी की बैठक 2026 का आयोजन विरार पश्चिम स्थित धीमही बैंक्वेट हॉल में उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। बैठक का नेतृत्व पालघर लोकसभा सांसद एवं भाजपा वसई-विरार शहर जिला प्रभारी डॉ. हेमंत विष्णु सावरा ने किया।

बैठक में भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के साथ-साथ आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और राजनीतिक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक प्रभावी ढंग से आम नागरिकों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित, पालघर सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा, नालासोपारा विधायक राजन नाइक, भाजपा वसई-विरार शहर जिला अध्यक्ष एवं कॉर्पोरेटर प्रज्ञा पाटिल, बोइसर विधानसभा प्रमुख महेंद्र पाटिल, जिला महासचिव जोगेंद्र प्रसाद चौबे, बिजेंद्र कुमार, मनोज बारोट, कपिल म्हात्रे, नेता प्रतिपक्ष मनोज पाटिल, ग्रुप लीडर अशोक शेलके, हरेंद्र दादा पाटिल और केदारनाथ म्हात्रे सहित पार्टी के विभिन्न पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में स्टेट ऑफिस बेयरर, जिला पदाधिकारी, कॉर्पोरेटर, बोर्ड अध्यक्ष, विभिन्न सेल, फ्रंट एवं मोर्चा के संयोजकों समेत विशेष रूप से आमंत्रित सदस्यों ने सहभागिता की। कार्यकारिणी बैठक में संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका पर जोर देते हुए कहा गया कि एकजुट कार्यकर्ता और मजबूत संगठन ही विकसित वसई-विरार के लक्ष्य को साकार करने की आधारशिला हैं। भाजपा का मूल उद्देश्य देश की सेवा, जनता की सेवा और क्षेत्र के विकास को गति देना है।

बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं में आगामी कार्यक्रमों को लेकर उत्साह देखने को मिला। पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सक्रिय बनाने तथा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाने का संकल्प दोहराया।

डॉ. सांवरा ने पार्षद अमीश पिंपले के नए कार्यालय में दर्ज की उपस्थिति

पालघर। भारतीय जनता पार्टी के माध्यम से जनसेवा के संकल्प को और मजबूत करते हुए पालघर नगर निगम पार्षद अमीश सुभाष पिंपले के नए भाजपा पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर पालघर सांसद डॉ. हेमंत सांवरा ने कार्यालय में सद्भावना भेंट (Goodwill Visit) की। उन्होंने पार्षद अमीश पिंपले को नए कार्यालय की शुरूआत पर बधाई देते हुए उनके सामाजिक एवं जनसेवा के आगामी सफर के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. सांवरा ने कहा कि यह नया पब्लिक रिलेशन्स ऑफिस नागरिकों की समस्याओं को सुनने, उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करने और जनता के साथ और अधिक मजबूत एवं करीबी संवाद स्थापित करने का माध्यम बने। उन्होंने कार्यालय के माध्यम से क्षेत्र के नागरिकों की सेवा को प्राथमिकता देने की शुभकामनाएं व्यक्त कीं। इस अवसर पर भाजपा कार्यकताओं एवं स्थानीय नागरिकों की उपस्थिति रही।

नागरिकों की समस्याएं, हमारी जिम्मेदारी: स्नेहा दुबे पंडित

वसई। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने अपने कार्यालय में नागरिकों से मुलाकात कर विभिन्न समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से चर्चा की। इस दौरान टीएलआर से जुड़े मामलों को लेकर डिप्टी लैंड रिकॉर्ड्स ऑफिसर अमोल भदादे से चर्चा कर समस्याओं के समाधान के प्रयास किए गए। वहीं, पगड़ी चाली से संबंधित मुद्दों पर जमीन मालिकों और नागरिकों के साथ बातचीत कर उनके सवालों का समाधान निकालने की पहल की गई।

इसके अलावा एमएसईबी और ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी समस्याओं पर भी चर्चा की गई और इन्हें जल्द हल कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया गया। गणपति उत्सव के निमंत्रण के लिए पहुंचे नागरिकों से भी विधायक ने मुलाकात कर बातचीत की।

एक मिसिंग केस में परिवार की समस्या जानने के बाद विधायक ने तत्काल जोन-3, विरार के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस शशिकांत बोराटे से संपर्क किया। संबंधित व्यक्ति को पुलिस कार्यालय भेजकर मामले की जानकारी दी गई। पुलिस प्रशासन ने मामले में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया।

स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि नागरिकों की समस्याएं चाहे किसी भी विभाग से जुड़ी हों, उन्हें समझना, संबंधित अधिकारियों से बातचीत करना और समाधान मिलने तक लगातार फॉलो-अप करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान उनकी प्राथमिकता है।

स्नेहा दुबे पंडित ने एवरशाइन गेट से वसई ईस्ट-वेस्ट ब्रिज तक सड़क का किया निरीक्षण

वसई। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने एवरशाइन गेट से वसई ईस्ट-वेस्ट ब्रिज तक सड़क की स्थिति का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वसई-विरार सिटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ सड़क की मौजूदा स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढों और उससे वाहन चालकों तथा आम नागरिकों को हो रही परेशानी को विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने गंभीरता से लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सड़क की तत्काल मरम्मत शुरू करने और आवागमन को सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर वसई विरार महानगर पालिका के सिटी इंजीनियर प्रदीप पंचांगे ने विधायक को भरोसा दिलाया कि सड़क की मरम्मत का कार्य अगले शुक्रवार तक पूरा कर दिया जाएगा। विधायक ने स्पष्ट किया कि नागरिकों को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो और सड़क सुरक्षित एवं बेहतर स्थिति में रहे, इसे प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान सिटी इंजीनियर प्रदीप पंचांगे, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर संजय कुलकर्णी, वार्ड कमेटी डी के जूनियर इंजीनियर ऋषिकेश मुलिक, भाजपा वसई-विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, जिला महासचिव मनोज बारोट, नगरसेविका श्रीमती कल्पना आशीष नागपुरे, वसई पूर्व दक्षिण मंडल अध्यक्ष उदय शेट्टी सहित गोपी मेनन, एच. आर. सक्सेना, सुरेश प्रजापति, निशांत शर्मा तथा भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विधायक के इस मौके के निरीक्षण से स्थानीय नागरिकों को सड़क की समस्या के शीघ्र समाधान की उम्मीद जगी है। अगर चाहें तो मैं इसका और ज्यादा दमदार अखबार वाला शीर्षक, 2 लाइन की सबहेडिंग और फोटो कैप्शन भी तैयार कर सकता हूँ।

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर नि:शुल्क शिविर व जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तहसील क्षेत्र के चंदवक बाजार स्थित सत्कार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस सेंटर पर ऑल इंडिया अलॉयड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस मनाया गया। इस अवसर पर निःशुल्क फिजियोथेरेपी शिविर एवं जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य आमजन को फिजियोथेरेपी चिकित्सा के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। विशेष रूप से पक्षाघात एवं हृदय रोग से पीड़ित मरीजों के उपचार और पुनर्वास में फिजियोथेरेपी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने विभिन्न बीमारियों में फिजियोथेरेपी के माध्यम से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने की जानकारी दी। एसोसिएशन के नेशनल कन्वीनर डॉ. अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि सभी हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स मिलकर आने वाले समय में बेहतर कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिससे देशभर में भौतिक चिकित्सा को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन के तत्वावधान में पुणे, गढ़वा, मिजार्पुर, चंदौली, सोनभद्र, आजमगढ़, गोरखपुर, वाराणसी, जौनपुर और लखनऊ सहित विभिन्न जनपदों में फिजियोथेरेपी विषय पर जागरूकता संगोष्ठियों एवं निःशुल्क शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में हजारों मरीजों ने चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार का लाभ उठाया। इस दौरान चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को नियमित व्यायाम, शारीरिक सक्रियता और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह लेने के लिए जागरूक किया।

सिटिजन केयर फाउंडेशन ने 51 जरूरतमंद बच्चों के बीच बांटे कपड़े, भोजन और खिलौने

पटना (उत्तरशक्ति)। सिटिजन केयर फाउंडेशन की ओर से सिटिजन केयर ग्रुप टावर, आशियानाझ्रदीघा रोड, पटना में जरूरतमंद बच्चों के बीच सेवा एवं सहायता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 51 जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, भोजन, किताबें, पेन एवं खिलौने वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के श्रम एवं विकास कल्याण मंत्री अरुण शंकर प्रसाद उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के बीच सामग्री का वितरण किया और सिटिजन केयर फाउंडेशन के इस सामाजिक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के जरूरतमंद लोगों और बच्चों की सेवा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। बच्चों के बीच कपड़े, भोजन, किताबें और खिलौने बांटना केवल सहायता का कार्य नहीं, बल्कि उनके साथ अपनापन और विश्वास का रिश्ता बनाने की पहल है। ऐसे सामाजिक कार्यों से समाज में संवेदनशीलता और सहयोग की भावना मजबूत होती है। सिटिजन केयर फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा यह प्रयास निश्चित रूप से सराहनीय और प्रेरणादायी है। सिटिजन केयर फाउंडेशन के संस्थापक चंदन कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज का कोई भी जरूरतमंद बच्चा खुद को अकेला महसूस न करे। बच्चों को केवल जरूरी सामान उपलब्ध कराना ही हमारा उद्देश्य नहीं है, बल्कि उनके चेहरे पर खुशी लाना और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना भी हमारी प्राथमिकता है। 51 बच्चों के साथ आज का यह छोटा-सा प्रयास आगे चलकर एक बड़े सामाजिक अभियान का रूप ले, यही हमारी कोशिश है।

आरपीएफ की तत्परता से वृद्ध महिला को परिजनों से मिलाया ,यात्री का 9.80 लाख का सामान सुरक्षित लौटाया

वाराणसी। मंडल रेल प्रबंधक, वाराणसी आशीष जैन के निर्देश एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त पंकज चुघ के नेतृत्व में पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी मंडल का रेलवे सुरक्षा बल यात्रियों की सुरक्षा, सहायता एवं उनके सामान की सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। इसी क्रम में दिनांक 07 सितम्बर 2026 को रेल मदद के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि गाड़ी संख्या 15084 के कोच संख्या इ-2 से एक वृद्ध महिला अपने परिजनों से बिछड़ गई हैं। सूचना मिलते ही कांस्टेबल पुरेन्द्र राम द्वारा रसड़ा स्टेशन पर तत्काल खोजबीन की गई। लगभग 06:50 बजे वृद्ध महिला को प्लेटफार्म संख्या-01 पर आरक्षण केंद्र के निकट सुरक्षित खोज लिया गया। फोटो से पहचान की पुष्टि के बाद उन्हें आरपीएफ चौकी, रसड़ा पर सुरक्षित बैठाया गया तथा उनके परिजनों को सूचना दी गई। लगभग 09:30 बजे उनके पुत्र सुरेंद्रनाथ सिंह,निवासी झरकटहा,थाना रेवती, जिला बलिया,चौकी पर पहुंचे। आवश्यक सत्यापन एवं कार्रवाई के उपरांत तेतरा देवी,उम्र 72 वर्ष को उनके पुत्र के सुपुर्द कर दिया गया। मां-बेटे के पुनर्मिलन पर दोनों ने प्रसन्नता व्यक्त की तथा परिजनों ने आरपीएफ के प्रति आभार जताया। इसी क्रम में गाड़ी संख्या 09466 के एस कोच में यात्री का सामान छूट जाने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर कांस्टेबल साधना सिंह द्वारा औड़िहार स्टेशन पर एक हरे रंग का ट्रॉली बैग एवं एक कपड़े का झोला ट्रेन से उतारकर सुरक्षित रूप से आरपीएफ पोस्ट, औड़िहार पर जमा कराया गया।

सामान के मालिक राजेन्द्र राम,उम्र 69 वर्ष,निवासी खेताबपुर,थाना कासिमाबाद,जिला गाजीपुर के पोस्ट पर पहुंचने पर आधार कार्ड एवं यात्रा टिकट के माध्यम से उनकी पहचान का सत्यापन किया गया।

सामान की जांच में कपड़ों एवं खाद्य सामग्री के अतिरिक्त 02 पीली धातु के मंगलसूत्र, 01 जोड़ी झुमका, 01 जोड़ी चांदी की पायल, बिछिया, चाबियों का गुच्छा एवं 17,000 नकद पाया गया। यात्री द्वारा सामान की कुल अनुमानित कीमत लगभग 9.80 लाख बताई गई।वरिष्ठ प्रचार निरीक्षक वाराणसी संतोष कुमार ने बताया कि सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण करने के बाद राकेश कुमार सिंह, सहायक उप निरीक्षक/आरपीएफ , औड़िहार द्वारा दिनांक 07 सितम्बर 2026 को 15:30 बजे सामान को फर्द सुपुर्दनामा के माध्यम से यात्री राजेन्द्र राम को सही-सलामत वापस कर दिया गया।

इंदौर के उद्योगपति अरुण वर्मा का जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। उद्योगपति अरुण वर्मा का जन्मदिन 2 सितबर को बड़े धूमधाम से मनाया गया। सुबह मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद लिया एवं गरीबों और दिव्यांगों को भोजन कराया। शाम को होटल प्राइड में बधाई और शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। चाहने वालों ने पुष्प मालाएं पहनाकर और मिठाई खिलाकर वर्मा का अभिनंदन किया ।इस शुभ अवसर पर विधायक गोलु शुक्ला, विधायक राजेश सोनकर,मनोहर वर्मा,लकी वर्मा , ईशान वर्मा,सुनम्र तिवारी एवं कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। वहीं दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के चीफ ब्यूरो प्रणित नरेंद्र तिवारी ने भी हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी।

घाटकोपर रेलवे पुलिस कॉलोनी से गुजरने वाले नागरिक भय के साये में

तोड़ी गई 6 इमारतों की जगह उगा घना जंगल, स्ट्रीट लाइटें भी रहती हैं बंद

मुंबई। घाटकोपर पूर्व स्थित रेलवे पुलिस कॉलोनी में करीब डेढ़ वर्ष पहले जर्जर और पुरानी 6 इमारतों को तोड़ दिया गया था। इन इमारतों की खाली जगह पर अब बारिश के मौसम में घने जंगली पेड़-पौधे उग आए हैं, जिससे पूरा परिसर जंगल जैसा दिखाई देने लगा है। विशेषकर रात के समय इस रास्ते से आने-जाने वाले रिक्शा यात्रियों तथा माता रमाबाई आंबेडकर नगर के नागरिकों में भय का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, माता रमाबाई आंबेडकर नगर की हजारों महिलाएं, छात्र-छात्राएं और अन्य नागरिक रेलवे स्टेशन तथा अन्य स्थानों पर जाने के लिए इसी मुख्य मार्ग का उपयोग करते हैं। लेकिन सड़क के दोनों ओर उगे घने पेड़-पौधों और अंधेरे के कारण विशेषकर महिलाओं, युवतियों और बच्चों को रात में इस रास्ते से गुजरने में डर लगता है।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि यहां फुटपाथ और सड़क पर लगी स्ट्रीट लाइटें कभी चालू रहती हैं तो कभी बंद हो जाती हैं। साथ ही, पहले की तुलना में पुलिस गश्त भी कम होने की बात नागरिकों द्वारा कही जा रही है। इसके चलते रात के समय यह इलाका और अधिक असुरक्षित महसूस होता है।

रिपब्लिकन पार्टी के मुंबई उपाध्यक्ष काका गांगुर्डे ने रेलवे पुलिस और महानगरपालिका से इस

परिसर में उगे जंगली पेड़-पौधों की सफाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित विभागों को ज्ञापन देकर तत्काल कार्रवाई की मांग की जाएगी।

स्थानीय नागरिकों ने आशंका व्यक्त की है कि घनी झाड़ियों और बड़े-बड़े पेड़ों की आड़ में असामाजिक तत्व तथा नशे के आदी लोग छिपकर बैठ सकते हैं, जिससे रात के समय आने-जाने वाली महिलाओं और अन्य नागरिकों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए क्षेत्र में नियमित रूप से पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग भी की गई है।

बताया जाता है कि पिछले वर्ष बारिश के मौसम में यहां स्थित पुरानी और जर्जर 6 इमारतों को गिराकर परिसर को खाली किया गया था। अब करीब 6 एकड़ में फैले खुले क्षेत्र और मैदान में जंगली वनस्पतियां तेजी से बढ़ गई हैं। इसके पास ही मुख्य सड़क और रिक्शा स्टैंड भी है, जहां से प्रतिदिन हजारों नागरिक, महिलाएं और बच्चे आते-जाते हैं।

नागरिकों का कहना है कि पर्याप्त रोशनी, झाड़ियों की सफाई और नियमित पुलिस गश्त की व्यवस्था होने तक रात के समय इस मार्ग से गुजरने वालों में भय बना रहेगा। स्थानीय लोगों ने संबंधित रेलवे पुलिस और महानगरपालिका प्रशासन से इस गंभीर समस्या पर तत्काल ध्यान देकर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है।

एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज में आईआईटी-पटना का दबदबा, दोनों शीर्ष स्थानों पर कब्जा

पटना। एनटीपीसी द्वारा आज ऊर्जा ऑडिटोरियम, पटना में आयोजित प्रतिष्ठित एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज 2026-27 के पटना रीजनल राउंड में आईआईटी-पटना की टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम और द्वितीय दोनों स्थान हासिल किए। हीत जे. जोशी और शिवांशु एस. दास की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि जोवेन एस. पायनाडत और अभिराम पारिपदी की टीम दूसरे स्थान पर रही। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना के रौशन और गौरव ने तीसरा स्थान हासिल किया। एनटीपीसी के उप महाप्रबंधक (नैगम संचार) विश्वनाथ चंदन ने बताया कि पटना रीजनल राउंड में बिहार के प्रमुख इंजीनियरिंग एवं प्रबंधन संस्थानों की 300 से अधिक टीमों, जिनमें प्रत्येक टीम में दो विद्यार्थी शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में आईआईटी-पटना, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, ललित नारायण मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज, पटना, बख्तियारपुर कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज-औरंगाबाद सहित राज्य के कई प्रतिष्ठित संस्थानों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता की शुरुआत सुबह आयोजित लिखित प्रारंभिक चरण से हुई। इसके बाद छह टीमों ने हाई-एनर्जी ऑडियो-विजुअल फाइनल राउंड के लिए क्वालीफाई किया। फाइनल में आईआईटी-पटना की दो टीमों के अलावा चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट-पटना, सीतामढ़ी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, ललित नारायण मिश्रा इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज, पटना तथा गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेजऔरंगाबाद की टीमों ने भाग लिया। फाइनल राउंड का संचालन दिल्ली के प्रसिद्ध क्विज मास्टर श्री गौतम बोस ने किया। पटना क्षेत्रीय चरण की शीर्ष दो टीमें अब एनटीपीसी इलेक्ट्रॉन क्विज 2026-27 के सेमीफाइनल एवं राष्ट्रीय फाइनल में भाग लेंगी। ये प्रतियोगिताएं क्रमशः 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को एनटीपीसी पावर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट (पीएमआई), नोएडा में आयोजित की जाएंगी। इस अवसर पर विल्सन अब्राहम, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), एनटीपीसी ने प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को क्रमशः 60,000 रुपये, 40,000 रुपये एवं 20,000 रुपये की नकद पुरस्कार राशि प्रदान की। अन्य फाइनलिस्ट टीमों को भी सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए।

बेहतरीन प्राकृतिक उपादानों से समृद्ध और विशेष रूप से तैयार रेंज, जिसे कि आज के बच्चों के विशेषज्ञों की स्वीकृति भी प्राप्त है

मुंबई। हर बच्चे के जीवन की शुरूआत माँ के स्पर्श से होती है। उसके लिए सुख, सुरक्षा और आश्वासन की अनुभूती का पहला स्थान यही है। और हमारी हर पीढ़ी इसी एहसास के साथ आगे बढ़ती जाती है। इस शाश्वत बंधन से प्रेरित होकर, एफएमसीजी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी ईमामी लिमिटेड के घराने के स्किनकेयर ब्रांड, बोरोप्लस ने आज बोरोप्लस FromMaa" के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक नया बेबी-केयर रेंज है। इसमे माँ का स्नेह और बेहतरीन प्राकृतिक उपादान के साथ बच्चों की देखभाल के लिए आधुनिक उपायों को एक साथ पिरोया गया है। ब्रांड की सोच "With Love, From Maa," पर आधारित इस रेंज में माँ के प्यार और भरोसे को एक साथ संजोया गया है। इसके साथ इसमें बच्चे की कोमल त्वचा के लिए उपुयुक्त और विशेष रूप से तैयार फॉमूर्लेशन भी शामिल है। यह मामरा आलमंड, कश्मीरी केसर और मिल्क प्रोटीन जैसे बेहतरीन प्राकृतिक उपादानों से समृद्ध है। यह उपादान त्वचा की देखभाल और पोषण प्रदान करने के लिए प्रमाणित हैं। इस रेंज के उत्पाद पीडियाट्रीशियन द्वारा स्वीकृत और डमेटॉलॉजिस्ट द्वारा परीक्षित हैं। इससे आज के जमाने के माता-पिताओं के लिए संवेदनशील और भरोसेमंद बेबी-केयर समाधान प्रदान करने की ब्रांड की प्रतिबद्धता और भी सुदृढ़ हुई है। मौजूदा जमाने के माता-पिता हर प्रकार की जानकारी रखते हैं। बच्चे की नियमित देखभाल के साथ वे उपादान, त्वचा के लिए उपयुक्तता, विशेषज्ञों की सलाह और उत्पाद की विश्वसनीयता के आधार पर उत्पादों का संपूर्ण मूल्यांकन करते हैं। इसके साथ ही, माँ की देखभाल से मिलने वाला भावनात्मक आश्वासन आज भी बच्चों के लालन-पालन में परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। परंपरा और मौजूदा वक्त की उम्मीदों को ध्यान में रखते हुए, बोरोप्लस FromMaa" ने माता-पिताओं को ये दोनों प्रदान करने की हर संभव कोशिश की है। इस लॉन्च के दौरान अपनी बात रखते हुए सुश्री प्रीति ए. सुरेका, डायरेक्टर, ईमामी लिमिटेड ने कहाः FromMaa'का नाम ही हर पीढ़ी की भावनाओं को व्यक्त करता है। बोरोप्लस FromMaa' के जरिए हम एक ऐसा रेंज तैयार करने चाहते हैं जिसमें हर माँ की पहचान को स्पष्ट रूप दशार्या जा सके मतलब देखभाल, सुरक्षा और स्नेहपूर्ण लालन-पालन। इसके साथ इसमें आज के माता-पिताओं की जरूरत के अनुसार बेहतरीन आधुनिक फॉमूर्लेशन, उत्कृष्ट प्राकृतिक उपादान और विश्वसनीयता का प्रमाण भी शामिल है । बोरोप्लस ने दशकों से भारतीय परिवारों का भरोसा हासिल किया है औरFromMaa' के साथ हमें खुशी है कि हम बेबी-केयर श्रेणी में इस विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

जन्मदिन पर प्रियांशी ने सजाया घर आंगन

सीकर (उत्तरशक्ति)। महादेव सिटी स्थित ए - 6 में अपने छोटे भाई प्रियांशु के जन्मदिन को अनूठे अंदाज में मनाने की नियत से बड़ी बहिन प्रियांशी ने अपने घर आंगन को यूं सजाया जैसे कान्हा के जन्मोत्सव को हम मानने के लिए सजाते आए है, यह दीगर बात है कि एआई के दौर में उसकी बहिना ने विद्युत का इस्तेमाल कर दीवार को भी नया लुक दिया। नेवी से रिटायरमेंट होकर दूसरी सर्विस में लगे राजवीर सिंह ने बताया कि ये तो बच्चों का उत्साह था जिसको मैंने पूरा सहयोग कर उनके मंसूबों को मूर्त रूप दिया और मेरी पत्नी सरिता ने घर की जिम्मेदारी के साथ साथ इस नायाब कार्य में भी सहयोग किया। सुमित्रा मैनसन में आयोजित हुए इस शानदार जन्मोत्सव में सीनियर सिटीजन हरफूल सिंह, समाजसेवी एवं पड़ोसी डॉ. राजेंद्र कुमावत, चेतन कुमावत, राजेश खेड़ (फौजी) सचिन सैनी सहित कई जाने उपस्थित होकर जन्म दिन की बधाई दी और बेटी द्वारा सजाई गई सजावट की सभी ने सराहना की।

निवेशकों के लिए चेतावनी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE / एक्सचेंज) के ध्यान में लाया गया है कि "Stock Exports" नामक इकाई से जुड़े होने का दावा करने वाले "Saumya"और "Bivhaaba" नामक व्यक्ति मोबाइल नंबर 6371287856 और 9348403281, यूट्यूब चैनल "Market Leads Pro" (लिंकः https://www.youtube.com/@MarketLeadsPro), टेलीग्राम चैनल "Stock Export Signals" (लिंकः https://t.me/stockexportsignals) और टेलीग्राम यूजर आईडी "@Paidstockexportsignals" के माध्यम से प्रतिभूति बाजार (सिक्योरिटीज मार्केट) टिप्स, शेयर बाजार में निवेश पर सांकेतिक/सुनिश्चित/गारंटीकृत रिटर्न (indicative/ assured/ guaranteed returns) और अकाउंट हैंडलिंग सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। निवेशकों को सावधान किया जाता है और सलाह दी जाती है कि वे शेयर बाजार में सांकेतिक/सुनिश्चित/गारंटीकृत रिटर्न की पेशकश करने वाले किसी भी व्यक्ति/इकाई द्वारा दी जाने वाली किसी भी योजना/उत्पाद की सदस्यता न लें, क्योंकि यह कानून द्वारा प्रतिबंधित है। इसके अलावा, निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने ट्रेडिंग क्रेडेंशियल्स जैसे यूजर आईडी/पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि उक्त व्यक्ति/इकाई नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड के किसी पंजीकृत सदस्य के सदस्य या अधिकृत व्यक्ति के रूप में पंजीकृत नहीं हैं। ऐसी प्रतिबंधित योजनाओं में भागीदारी निवेशकों के अपने जोखिम, लागत और परिणामों पर है क्योंकि ऐसी योजनाओं को एक्सचेंज द्वारा न तो स्वीकृत किया गया है और न ही समर्थित किया गया है।

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से बदल रही है भारत के मालवहन नेटवर्क की तस्वीर

मुंबई। देश भर के प्रमुख औद्योगिक, विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स केंद्रों के बीच उच्च-क्षमता, तेज, अधिक कुशल और विश्वसनीय रेल कनेक्टिविटी प्रदान करके डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का परिचालन भारत के मालवहन नेटवर्क में एक क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है। मौजूदा DFC नेटवर्क में मुख्य रूप से दो प्रमुख गलियारे शामिल हैं। पूर्वी समर्पित मालवहन गलियारा और पश्चिमी समर्पित मालवहन गलियारा , जो मिलकर लगभग 2,843 किलोमीटर के क्षेत्र में फैले हुए हैं। 1,337 किलोमीटर लंबा EDFC पंजाब के न्यू साहनेवाल से शुरू होकर हरियाणा और उत्तर प्रदेश के रास्ते बिहार के न्यू सोननगर तक जाता है। वहीं, 1,506 किलोमीटर लंबा WDFC उत्तर प्रदेश के न्यू दादरी से शुरू होकर हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र के न्यू JNPT (जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट) तक पहुँचता है। इस वर्ष के केंद्रीय बजट में तीसरे डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की भी घोषणा की गई है, जो पश्चिम बंगाल के दानकुनी को झारखंड, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के रास्ते गुजरात से जोड़ेगा। यह प्रस्तावित गलियारा देश के समर्पित रेल मालवहन नेटवर्क का विस्तार करेगा और प्रमुख औद्योगिक व लॉजिस्टिक्स हब के बीच कनेक्टिविटी को और मजबूत बनाएगा। EDFC और WDFC मिलकर एक उच्च-क्षमता वाला समर्पित रेल फ्रेट नेटवर्क तैयार कर रहे हैं, जो प्रमुख औद्योगिक और उत्पादन क्षेत्रों को महत्वपूर्ण लॉजिस्टिक्स केंद्रों और बंदरगाहों से जोड़ता है। इससे मुख्य मालवहन मार्गों पर सामान की तेज और अधिक कुशल आवाजाही संभव हो रही है। DFC नेटवर्क द्वारा लाए गए सबसे महत्वपूर्ण बदलावों में से एक है प्रमुख बंदरगाहों तक 'डबल-स्टैक' कंटेनर ट्रेनों की सीधी कनेक्टिविटी। डबल-स्टैक कंटेनर ट्रेन चलाने की इस क्षमता ने माल ढोने की क्षमता को काफी बढ़ा दिया है, जिससे लंबी दूरी के रेल परिवहन की दक्षता में बड़ा सुधार आया है।

सोनालीका ने 12581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज

पटना। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अगस्त की अपनी अब तक की सर्वाधिक 12581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री दर्ज करते हुए वित्त वर्ष 2027 में अपनी जबरदस्त रफ़्तार बनाए रखी है। यह उपलब्धि उद्योग की वृद्धि के मुकाबले शानदार 1.9 एक्स वृद्धि से प्रेरित है, जो दुनिया के सबसे बड़े ट्रैक्टर बाजार भारत में प्रमुख कंपनियों के बीच सोनालीका की मजबूत स्थिति को भी दशार्ता है। रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि हम अगस्त में अब तक की सर्वाधिक 12581 कुल ट्रैक्टरों की बिक्री करके बहुत उत्साहित हैं, जिससे हमने उद्योग की वृद्धि को शानदार 1.9 एक्स वृद्धि से पीछे छोड़ दिया है। साथ ही, हमने 18067 ट्रैक्टरों के उत्पादन का अब तक का सबसे बड़ा मासिक रिकॉर्ड भी बनाया है, जो हमारी पूरी वैल्यू चेन में बने मजबूत तालमेल को दशार्ता है। अपनी नई गोल्ड सीरीज के ट्रैक्टरों के साथ हर किसान की उम्मीदों को पूरा करने और त्योहारों के इस शानदार मौसम को किसानों की ज्यादा खुशहाली में बदलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

मेरी यात्रा रोहियांव से ऑस्ट्रेलिया तक रहा स्वर्णित: राजेंद्र पांडेय

ऑस्ट्रेलिया (उत्तरशक्ति)। राजेंद्र पांडेय, का जन्म रोहियांव, मधुपुर, जौनपुर, उत्तर प्रदेश में अपने ननिहाल में हुआ था। रोहियांव मेरे हृदय में हमेशा से एक विशेष स्थान रखता है। यह केवल वह गाँव नहीं है जहाँ मेरा जन्म हुआ, बल्कि यह वह भूमि है जहाँ मेरे जीवन के अनेक संस्कार, स्मृतियाँ, रिश्ते और अनुभवों ने आकार लेना शुरू किया। मेरे नाना स्वर्गीय बद्री प्रसाद मिश्रा अत्यंत सम्मानित, मेहनती और अनुशासित व्यक्ति थे। मैंने उनसे जीवन के अनेक महत्वपूर्ण गुण सीखे–मेहनत, ईमानदारी, सादगी, दृढ़ता और दूसरों के प्रति सम्मान। उनका प्रभाव मेरे जीवन पर सदैव बना रहा और आज भी उनके संस्कार मेरे जीवन का मार्गदर्शन करते हैं।

मेरी प्रारंभिक शिक्षा अर्मोव, ऊँचागाँव और बेलवार में हुई। इसके बाद मैंने इलाहाबाद (प्रयागराज) से इंटरमीडिएट की शिक्षा पूरी की और वहीं से अपनी उच्च शिक्षा भी जारी रखी। बाद में मैं कानपुर चला गया, जहाँ मैंने अपनी स्नातकोत्तर शिक्षा तथा बी.एड. की पढ़ाई पूरी की। मेरा बचपन आसान नहीं था। मेरे माता-पिता आर्थिक रूप से कमजोर थे और मेरी शिक्षा का खर्च उठाने के लिए उन्हें बहुत संघर्ष करना पड़ता था। कई बार स्कूल और कॉलेज की फीस भरना तथा दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करना भी कठिन हो जाता था। उन कठिन परिस्थितियों में मेरी नानी जी मेरे जीवन की सबसे मजबूत आधारशिलाओं में से एक बनीं। उन्होंने मुझे अपने पास रखा, अत्यंत प्रेम और स्नेह से मेरा पालन-पोषण किया और अनेक त्याग किए, ताकि मेरी शिक्षा बाधित न हो। मैं जीवन भर उनका ऋणी रहूंगा।

मैं अपने मामा राम लखन मिश्रा का भी हृदय से आभारी हूँ। अपनी सीमित परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने हमेशा अपनी क्षमता के अनुसार मेरा सहयोग किया। उनसे मुझे सदैव प्रेम, स्नेह, प्रोत्साहन और सहारा मिला। मेरे जीवन में उनके योगदान को केवल भौतिक सहायता के रूप में मापना संभव नहीं है। मेरे विद्यार्थी जीवन में ऐसे कई समय आए जब मेरे पास पैसे की बहुत कमी होती थी। मुझे याद है कि इलाहाबाद में कुछ दिन और रातें मैंने ऐसी परिस्थितियों में बिताईं जब बुनियादी आवश्यकताओं के लिए भी पर्याप्त पैसे नहीं होते थे। कई बार पैसे बचाने के लिए मैं रोहियांव से इलाहाबाद तक साइकिल से यात्रा करता था। उस समय ये यात्राएँ शारीरिक रूप से कठिन लगती थीं, लेकिन उन्होंने मुझे जीवन में संघर्ष करना और परिस्थितियों से हार न मानना सिखाया। उन्होंने मुझे यह विश्वास दिया कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, दृढ़ संकल्प हमें आगे बढ़ा सकता है। मेरी मौसी, श्रीमती इंद्रा देवी जी, मुंगरा बादशाहपुर, ने भी जीवन भर मुझे अपार प्रेम, आशीर्वाद और सहयोग दिया।

परिवर्तन की नई सुबहः बंधनों की जंजीर तोड़कर बरवा चितोड़िया आदिवासी समाज की प्रगति की ओर यात्रा

मुंबई। पीढ़ियों से पुरानी रूढ़ियों और परंपराओं के अंधकार में जीवन जीने वाला बरवा चितोड़िया (आदिवासी) समाज आज आत्मसम्मान और प्रगति के एक नए मोड़ पर आ खड़ा हुआ है। जिस समाज में कभी शिक्षा का कोई स्थान नहीं था और महिलाओं की स्वतंत्रता पर कई प्रकार के प्रतिबंध थे, वहां आज एक नई सोच जन्म ले रही है। इस सामाजिक क्रांति के प्रमुख सूत्रधार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बंगालीसिंह आर. चव्हाण बने हैं। उनकी दूरदर्शिता और दृढ़ नेतृत्व ने इस पिछड़े समाज को एक नई दिशा प्रदान की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बंगालीसिंह आर. चव्हाण द्वारा रखे गए ऐतिहासिक प्रस्तावों ने समाज की पुरानी मानसिकता को चुनौती दी है।

बेटियों की शिक्षा के द्वार खुलेः छोटी बच्चियों की शिक्षा पर लगी सामाजिक पाबंदी अब पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। अब बरवा चितोड़िया समाज की प्रत्येक बेटी हाथ में कॉपी-पेन लेकर अपने उज्ज्वल भविष्य के सपने देख सकेगी। महिला सम्मान और स्वतंत्रताः बहू के हाथ की बनी रोटी न खाने या प्रसव के समय महिलाओं पर लागू की जाने वाली कठोर परंपराओं को समाप्त किया गया है। साथ ही महिलाओं को पूजा-अर्चना और व्रत-उपवास करने की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई है। न्याय व्यवस्था में पारदर्शिताः समाज में फैलने वाली झूठी अफवाहों पर रोक लगाई गई है। पंचायत में दोनों पक्षों की पूरी जांच और उनका पक्ष सुने बिना कोई निर्णय न लेने का स्पष्ट नियम बनाया गया है। कानून का सम्मानः दुर्घटना में मृत्यु होने की स्थिति में कानूनी मुआवजा स्वीकार करना तथा अनजाने में हुई दुर्घटना को हत्या न मानना जैसे निर्णय समाज को आधुनिक कानून व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

बरवा चितोड़िया समाज ने स्वयं सामाजिक बदलाव की दिशा में कदम उठाया है, लेकिन उन्हें देश की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए केंद्र और राज्य सरकार को भी तत्काल आगे आने की आवश्यकता है। सरकारी रिकॉर्ड में सही पहचानः भारत सरकार के आधिकारिक दस्तावेजों में बरवा चितोड़िया (आदिवासी) समाज की जातीय पहचान, उनकी पूजा-पद्धति तथा देवी-देवताओं से संबंधित परंपराओं का विधिवत उल्लेख और रिकॉर्ड किया जाना चाहिए। मूलभूत सुविधाएं और कौशल विकासः इस समुदाय की बस्तियों में विशेष विद्यालय, अस्पताल और कौशल विकास केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए, ताकि युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल सकें और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में बंगालीसिंह आर. चव्हाण ने यह साबित किया है कि समाज का उत्थान केवल पुरानी रूढ़ियों को पकड़े रहने में नहीं, बल्कि समय के साथ सकारात्मक बदलाव अपनाने में है। वृद्धों की सेवा को ही सच्ची ईश्वर सेवा मानने वाले, युवा पीढ़ी को शिक्षा की ओर प्रेरित करने वाले और महिलाओं को सम्मानजनक स्थान दिलाने वाले बंगालीसिंह चव्हाण आज बरवा चितोड़िया समाज की तस्वीर बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके नेतृत्व में यह समाज न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहा है, बल्कि भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले एक जिम्मेदार और सशक्त समुदाय के रूप में आगे बढ़ रहा है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने परामर्शकों और वितरण भागीदारों की डिजिटल क्षमता बढ़ाने के लिए लॉन्च किया

ICICI PRUDENTIAL LIFE INSURANCE
Ke Saath Zimmedari Lagey Pyaari
Trusted by over 20 crore Indians in 25 YEARS

ठाणे/मुंबई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने 2026 में अपने पार्टनर स्टैक में नई क्षमताएं जोड़कर इसका उन्नयन किया है, जिसे ह्यआईसीआईसीआई लाइफ पार्टनर स्टैक 2.0 का नाम दिया गया है। इस स्टैक से एआई-आधारित टूल, भागीदार-प्रणाली के साथ बेहतर जुड़ाव और डिजिटल क्षमताओं के जरिये बिक्री, ऑनबोर्डिंग और ग्राहक सेवा के संबंध में कंपनी के परामर्शकों (एडवाइजर) और वितरण नेटवर्क को सहायता मिलती है।

कंपनी इस उन्नयन के जरिये ग्राहकों की यात्रा आसान बनाना चाहती है। परामर्शक और वितरण भागीदार इसके माध्यम से उचित समाधान ढूंढ सकते हैं, कोटेशन तैयार कर सकते हैं, ग्राहक को शामिल (ऑनबोर्ड) कर सकते हैं और उन्हें डिजिटल तरीके से सेवा प्रदान कर सकते हैं। ईकोट ऐप, एआई आधारित प्रोडक्ट रेकोमेंडर के जरिये ग्राहक के खंड और जीवन के चरण के आधार पर उपयुक्त उत्पाद सुझाता है। साथ ही, यह एडवाइजर को अपनी जरूरत के अनुरूप कोटेशन बनाने और साझा करने की सुविधा भी देता है। लिवा, एक एआई-आधारित चैटबॉट है जिससे संवाद में मदद मिलती है। इससे एडवाइजर के लिए ग्राहकों से बातचीत करते समय उत्पाद की विशेषताओं और कोटेशन हासिल करना आसान हो जाता है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य वितरण अधिकारी, अमिश बैंकर ने आईसीआईसीआई लाइफ पार्टनर स्टैक 2.0 पर अपनी टिप्पणी में कहा, हमारे एडवाइजर और वितरण भागीदार ग्राहक को जीवन बीमा समाधान समझने और बीमा लेने में उल्लेखनीय सहायता प्रदान करते हैं। आईसीआईसीआई लाइफ पार्टनर स्टैक 2.0 उन्हें डिजिटल और एआई-आधारित टूल प्रदान करता है, जिससे रोजमर्रा के काम आसान होते हैं और ग्राहकों के लिए आसानी होती है - उचित उत्पाद ढूंढने तथा कोटेशन बनाने से लेकर ऑनबोर्डिंग और सर्विसिंग तक। इन क्षमताओं को भागीदार प्रणाली के साथ जोड़कर, हम प्रक्रिया को तेज और आसान बना रहे हैं ताकि हमारे भागीदार ग्राहक की जरूरतों को समझने और उन्हें पूरा करने पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

सैमसंग ने गैलेक्सी टैब एस10+ पर पेश किए खास फेस्टिव ऑफर्स

मुंबई। सैमसंग ने आज भारत में त्योहारों से पहले अपने फ्लैगशिप टैबलेट गैलेक्सी टैब एस10+ पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की। इसमें अत्याधुनिक हार्डवेयर और एआई से चलने वाले फीचर, दोनों हैं। इससे यह उन पेशेवरों, रचनात्मक लोगों और तकनीक के शौकीनों के लिए सही विकल्प बन जाता है, जो काम, मनोरंजन और स्मार्ट होम संभालने, तीनों के लिए एक ही उपकरण चाहते हैं।

इस त्योहारी सीजन में इसके दो वेरिएंट्स पर आकर्षक ऑफर्स दिए जा रहे हैं। गैलेक्सी टैब एस10+ वाई-फाई (12/256GB) वेरिएंट, जिसकी मूल कीमत 1,05,999 रुपये है, इस ऑफर में 88,999 रुपये में उपलब्ध है, वहीं गैलेक्सी टैब एस10+ 5G (12/256GB) वेरिएंट, जिसकी मूल कीमत 1,20,999 रुपये है, त्योहारी कीमत के तहत 1,03,999 रुपये में खरीदा जा सकता है। ग्राहक बैंकों (6 महीने) और एनबीएफसी (12 महीने तक) के जरिए बिना ब्याज वाली ईएमआई का विकल्प भी ले सकते हैं। गैलेक्सी टैब एस10+ के वाई-फाई वेरिएंट के लिए मासिक ईएमआई बैंकों से 14,833 रुपये, एनबीएफसी से 7,417 रुपये और सैमसंग फाइनेंस+ से 15 प्रतिशत डाउन पेमेंट पर 6,877 रुपये है। 5G वेरिएंट के लिए मासिक ईएमआई बैंकों से 17,333 रुपये, एनबीएफसी से 8,667 रुपये और सैमसंग फाइनेंस+ से 15 प्रतिशत डाउन पेमेंट पर 8,036 रुपये है। गैलेक्सी टैब एस10+ में 31.47 सेमी का डायनैमिक एमोलेड 2 डिस्प्ले है, जिसमें एंटी-रिफ्लेक्टिव तकनीक दी गई है, ताकि रंग चटख दिखें और चमक आंखों में न चुभे। दस्तावेज पर काम करना हो, प्रेजेंटेशन देखना हो या कुछ स्ट्रीम करना हो, यह डिस्प्ले हर बार डुबो देने वाला अनुभव देता है। इसमें चार स्पीकर हैं, जिन्हें एआई से चलने वाले डायलॉग बूस्ट का साथ मिलता है, जिससे आवाज साफ सुनाई देती है। साथ ही IP68 रेटिंग और आर्मर एल्युमीनियम की बनावट इसे रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए मजबूत बनाती है।

साइकिल प्योर अगरबत्ती ने त्योहारी भावनाओं और परंपराओं को समर्पित अगरबत्ती बोले अभियान शुरू किया

मुंबई। त्योहारी मौसम में भारतीय घरों में पूजा-पाठ, उत्सव और परंपराओं की खुशबू को खास अंदाज में सामने लाते हुए दुनिया की सबसे बड़ी अगरबत्ती निमार्ता साइकिल प्योर अगरबत्ती ने महाराष्ट्र में अगरबत्ती बोले अभियान शुरू किया है। अभियान का उद्देश्य यह बताना है कि अगरबत्ती केवल खुशबू का माध्यम नहीं, बल्कि यादों, भावनाओं और पीढ़ियों को जोड़ने वाली परंपरा भी है। अभियान की मूल सोच है कि अगरबत्ती किसी स्थान को केवल सुगंधित नहीं करती, बल्कि भावनाओं, यादों और परंपराओं को जीवंत करती है। इसके जरिए ब्रांड नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं के साथ अपना जुड़ाव मजबूत करने के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में सुगंध के महत्व को भी रेखांकित कर रहा है। साइकिल प्योर अगरबत्ती के प्रबंध निदेशक अर्जुन रंगा ने कहा, 77 वर्षों से सुगंध हमारी यात्रा का अभिन्न हिस्सा रही है। अगरबत्ती केवल पूजा की आवश्यक वस्तु नहीं है, बल्कि यह त्योहारों, पारिवारिक समारोहों और पीढ़ियों से साझा की जाने वाली यादों का हिस्सा है। अगरबत्ती बोले के जरिए हम इसी भावनात्मक जुड़ाव का उत्सव मनाना चाहते हैं। बदलती उपभोक्ता पसंद के साथ आगे बढ़ते हुए हमारा प्रयास अपनी विरासत को बनाए रखते हुए आज की पीढ़ी के लिए प्रासंगिक अनुभव तैयार करना है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र कंपनी के लिए महत्वपूर्ण बाजार है। कंपनी आधुनिक खुदरा बाजार, ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स मंचों के माध्यम से राज्य में अपनी पहुंच बढ़ा रही है। हाल ही में सात्विक के अधिग्रहण के साथ कंपनी ने भारत में संपूर्ण आध्यात्मिक और धार्मिक समाधान प्रदाता बनने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है।अभियान के तहत कंपनी ने दसरा, यज्ञ और वुड्स वेरिएंट में बांस रहित सॉलिड धूप, रोज और जैस्मिन में मेदिनी जुड़वा कप सांबरानी तथा छह प्रीमियम सुगंध वाली रॉयल सीरीज पेश की है। कंपनी हर वर्ष 12 अरब से अधिक अगरबत्ती स्टिक का उत्पादन करती है और दुनिया भर के लाखों घरों तक आस्था की खुशबू पहुंचाती है। भारत में इसके 5,000 से अधिक वितरक और 5 लाख से अधिक खुदरा आउटलेट हैं तथा कंपनी 75 से अधिक देशों में मौजूद है। सामाजिक प्रभाव के क्षेत्र में एनआर फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, पर्यावरण और सामुदायिक कल्याण से जुड़ी पहलें संचालित करता है। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में महिला सशक्तीकरण पहल के तहत हजारों आदिवासी महिलाओं को अगरबत्ती निर्माण के माध्यम से आजीविका के अवसर मिले हैं। सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता के तहत कंपनी पिछले 12 वर्षों से कार्बन न्यूट्रल है और हाल ही में प्लास्टिक न्यूट्रल भी बनी है।

मुड्रेक्स ने पटना में 2,000 ट्रेडर्स के साथ ट्रेडिंग के नए अवसरों पर की चर्चा

पटना । पटना में आयोजित शम्श ट्रेडिंग कॉन्क्लेव में करीब 2,000 ट्रेडर्स ने बदलते ट्रेडिंग इकोसिस्टम, नए एसेट क्लास और ग्लोबल मार्केट्स में उभरते अवसरों पर चर्चा की। मुड्रेक्स कार्यक्रम के प्रमुख टाइटल स्पॉन्सरों में से एक था। कॉन्क्लेव में ट्रेडर्स ने टेक्नोलॉजी और ग्लोबल मार्केट्स तक बढ़ती पहुंच से ट्रेडिंग और निवेश के बदलते तरीकों पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने टोकनाइज्ड यूएस स्टॉक्स, कमोडिटीज और अन्य ग्लोबल एसेट्स में भी रुचि दिखाई। मुड्रेक्स ने एक ट्रेडिंग कॉन्टेस्ट आयोजित किया, जिसमें पूरे दिन ट्रेडर्स के कौशल और निरंतर प्रदर्शन को परखा गया और विजेता को बाइक पुरस्कार के रूप में दी गई।